साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 03 | अंक - 28 | जौनपुर, शनिवार, 14 सितम्बर 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

हर भारतीय को अपनी क्षमता का उपयोग करने का अवसर मिलना चाहिए – राहुल

नई दिल्ली, एजेसी। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने बृहस्पतिवार को कहा कि यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि प्रत्येक भारतीय नागरिक के पास वास्तविक प्रतिनिधित्व और सक्रिय भागीदारी के माध्यम से अपनी पूरी क्षमता को उपयोग करने का अवसर हो। राहुल गांधी ने अपने हालिया अमेरिकी दौर के एक संवाद का वीडियो साझा करते हुए एक फेसबुक पोस्ट में कहा, "एक दूर की दृष्टि, जिसे मैं हमेशा पापा (राजीव गांधी) की आंखों में चमकते हुए देखता था। उसी ने दुनिया के बारे में मेरी समझ और मेरे उद्देश्य की भावना को गहराई से आकार दिया है। उन्होंने कहा, "भारत के पास साझा समृद्धि की लोकतांत्रिक दृष्टि के साथ दुनिया का नेतृत्व करने की क्षमता, प्रतिभा और संसाधन हैं। अब हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि प्रत्येक भारतीय के पास वास्तविक प्रतिनिधित्व और सक्रिय भागीदारी के माध्यम से अपनी पूरी क्षमता को मूर्त रूप देने का अवसर हो। कांग्रेस नेता ने कहा कि समानता ही प्रगति का मार्ग है।

आने वाले पांच सालों में यूपी में खत्म हो जाएगी डाक्टरों की कमी - सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। पांच वर्ष पहले पूर्वी उत्तर प्रदेश इंसेफेलाइटिस से ग्रस्त था। वहां 15 जुलाई से 15 नवंबर के बीच 1200 से 1500 मौतें होती थीं। अकेले गोरखपुर के बीआरडी मेडिकल कॉलेज में 500 से 700 मौतें होती थीं। यह क्रम पिछले 40 वर्ष से चल रहा था। इस दौरान 50 हजार बच्चों की मौतें हुईं, लेकिन पिछली सरकारों का इससे कोई लेना–देना नहीं था। जब इसे रोकने के लिए सुविधा देनी होती थी तो वह भ्रष्टाचार में लिप्त हो जाते थे। यह सिस्टम की नाकामी थी। मैंने सांसद रहते हुए सड़क से लेकर सदन तक मुद्दा उठाया, जिसके बाद काम शुरू हुआ। यह बात यूपी के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहीं। सीएम शुक्रवार को डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान के चतुर्थ स्थापना दिवस समारोह में शामिल हुए। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इंफेसेलाइटिस पर लगाम लगाने के लिए गोरखपुर को एम्स दिया। वहीं 2017 में मुख्यमंत्री बनने पर इसे खत्म करने की जिम्मेदारी मेरी हो गयी। इस पर काम शुरू किया गया और वर्ष 2019 में इस पर नियंत्रण पा लिया गया। उसी का परिणाम है कि आज पूर्वी उत्तर प्रदेश इंसेफेलाइटिस से मुक्त हुआ है। आज यहां पर मौत जीरो हो गयी हैं। यह दृढ़ संकल्प और आप सभी के सहयोग से हो पाया है, जबकि इसके खात्मे के बारे में पहले कोई सोच नहीं सकता था।सीएम योगी ने वार्षिक रिपोर्ट का विमोचन और नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। इस दौरान सीएम योगी ने कई प्रोफेसर, असिस्टेंट प्रोफेसर और प्रोफेसर जेआर को मेडल– सर्टिफिकेट प्रदान कर सम्मानित किया।

अगले पांच वर्ष में खत्म हो जाएगी डॉक्टरों की कमी

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पूर्वी उत्तर प्रदेश में इंसेफेलाइटिस को लेकर इस बार भी दो बार सर्वे कराया गया, जिसमें सामने आया कि एक भी बच्चे की मौत नहीं हुई है। आज पूर्वी उत्तर प्रदेश खुशहाल है। यह सब बेहतर समन्वय और संवाद से हो पाया। आज इंसेफेलाइटिस को पूरी तरह से समाप्त कर दिया गया है, लेकिन अफसोस है कि अब तक इस पर कोई स्टडी पेपर नहीं लिखा गया, जबकि यह सफलता का मॉडल है। वहीं वर्ष 2020 में कोविड–19 महामारी आई तो टीम 11 का गठन कर काबू पाया गया। यह हमें इंसेफेलाइ टिस के सफलतापूर्वक समाधान के बाद प्राप्त हुए अनुभव से संभव हुआ। कोविड–19 पर काबू पाने में इसी अनुभव का लाभ प्राप्त हुआ।

सीएम योगी ने कहा कि आज उत्तर प्रदेश वन डिस्ट्रिक्ट वन मेडिकल कॉलेज की दिशा में तेजी के साथ बढ़ रहा है। पहली बार केंद्र और राज्य सरकार पीपीपी मोड पर भी मेडिकल कॉलेज बनाने की कार्रवाई को बढ़ा रही है। आने वाले अगले 5 से 7 वर्ष में डॉक्टरों की कमी नहीं रहेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन के अनुरूप हम एक जिला एक मेडिकल की कॉलेज की तरफ बढ़ चुके हैं। प्रदेश के सभी पीएचसी, सीएचसी को डॉक्टर मिलेंगे। इसके साथ ही आरएमएल, एसजीपीजीआई, केजीएमयू समेत अन्य संस्थानों को अच्छे विशेषज्ञ चिकित्सक मिलेंगे। इसके लिए हमें टीमवर्क के साथ काम करना होगा। आरएमएल उत्तर प्रदेश और उत्तर भारत का गेटवे है। यह उपब्लधि ऐसे ही नहीं मिली है। इसके पीछे सकारात्मक सोच और टीमवर्क है।

विकास का आधार है

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि ऋषि परंपरा में बीज का वृक्ष बन जाना संस्कृति कहलाता है।

इलाज के अभाव में मरे 29 लोगों के परिजनों को दो–दो लाख देंगे – ममता

कोलकाता, एजेंसी। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने घोषणा की कि राज्य सरकार उन 29 लोगों के परिवारों को दो–दो लाख रुपये का मुआवजा देगी, जिनकी आंदोलनकारी कनिष्ठ चिकित्सकों की हड़ताल की वजह से कथित तौर पर इलाज के अभाव में मौत हो गई। बनर्जी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' जारी पोस्ट में लिखा, ''यह दुखद और दुर्भाग्यपूर्ण है कि कनिष्ठ चिकित्सकों द्वारा लंबे समय से जारी हड़ताल के कारण स्वास्थ्य सेवाओं में व्यवधान पैदा हुआ औरहमने 29 बहुमूल्य जिंदगियां खो दीं।'' उन्होंने कहा, ''शोक संतप्त परिवारों की मदद के लिए राज्य सरकार प्रत्येक मृतक के परिवार को दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता देने की घोषणा करती है।'' कनिष्ठ चिकित्सक नौ अगस्त को सरकारी आरजी कर मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में ड्यूटी पर तैनात एक महिला चिकित्सक का शव मिलने के बाद से 'काम बंद' आंदोलन कर रहे हैं। महिला चिकित्सक से कथित तौर बलात्कार करने के बाद उसकी हत्या कर दी गई थी।

डा.दिनेश चंद्र जौनपुर के नए जिला अधिकारी

रविन्द्र कुमार मांदड़ को प्रयागराज की मिली जिम्मेदारी

ब्यूरो प्रमुख
विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर के डीएम रहे रविन्द्र कुमार मांदड़ का देर रात ट्रांसफर प्रयागराज के लिए कर दिया गया है। वही जौनपुर के नवागत डीएम 2012 बैच के आईएएस दिनेश चंद्र को जौनपुर का डीएम बनाकर शासन ने भेजा है। रविन्द्र कुमार मांदड़ ने लोकसभा चुनाव को सकुशल सम्पन्न कराए। हमेशा काम के प्रति इमानदार व सजग रहे। जौनपुर में रविन्द्र कुमार मांदड़ का कार्यालय लगभग 9 महीना रहा है।

जौनपुर के नवागत डीएम के बारे में कुछ जानकारियां

सहारनपुर में डीएम का कार्यभार संभाल चुके चीनी उद्योग तथा गन्ना विकास विभाग उ.प्र. शासन के विशेष सचिव डॉ. दिनेश चंद्र को जौनपुर का नया जिलाधिकारी बनाया गया है। वह 2012 बैच के आईएएस हैं। वह डीएम बहराइच के पद पर भी रह चुके हैं।

गौरतलब हो कि डॉ. दिनेश चंद्र 5 नवम्बर 2018 को अलीगढ़ में बतौर मुख्य विकास अधिकारी के पद पर तैनात थे। 15 फरवरी 2019 तक वह इस पद पर बने रहे। इसके बाद वह गाजियाबाद में नगर निगम के नगर आयुक्त बनाए गए। 15 अगस्त 2020 तक वह इस पद पर बने रहे। इसके बाद उन्हें 15 अगस्त 2020 को कानपुर देहात का डीएम बनाया गया।

02 मार्च 2021 तक उन्होंने इस पद को संभाला इसके बाद शासन ने उन्हें संस्कृति विभाग उत्तर प्रदेश का विशेष सचिव नियुक्त किया। 02 मार्च 2021 से 05 जून 2021 तक वह इस पद पर तैनात थे। इसके बाद शासन ने उन्हें 05 जून 2021 को बहराइच का डीएम नियुक्त किया। 19 मई 2023 तक वह बहराइच के डीएम रहे इसके बाद 19 मई 2023 को उन्हें सहारनपुर का डीएम बनाया गया। 25 जून 2024 तक वह इस पद पर रहे। इसके बाद शासन ने उन्हें 25 जून 2024 को चीनी उद्योग एवं गन्ना विकास विभाग लखनऊ का विशेष सचिव बनाया। वह इस पद पर बने रहे। 13 सितंबर 2024 की रात को उन्हें जौनपुर के नए जिलाधिकारी के रूप में शासन द्वारा भेज दिया गया। 1 जुलाई 1966 को जन्मे डॉ. दिनेश चंद्र मूल रूप से बिजनौर जिले के रहने वाले हैं।

राजनाथ सिंह ने वैश्विक रक्षा संबंधों को बढ़ावा देने के लिए तरंग शक्ति अभ्यास की जमकर तारीफ की

नई दिल्ली, एजेंसी। बहुराष्ट्रीय अभ्यास तरंग शक्ति का आयोगन किया गया। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को साझेदार देशों के बीच सहयोग, समन्वय और विश्वास बढ़ाने के लिए बहुराष्ट्रीय अभ्यास तरंग शक्ति की प्रशंसा की। विशिष्ट आगंतुक दिवस कार्यक्रम में बोलते हुए, सिंह ने इस बात पर जोर दिया कि यह अभ्यास रक्षा संबंधों को मजबूत करने और सामूहिक सुरक्षा की भावना को बढ़ावा देने के लिए भारत की प्रतिबद्धता को दर्शाता है।

भारत ने रक्षा संबंधों को मजबूत किया

सिंह ने कहा, तरंग शक्ति के माध्यम से, भारत ने न केवल साझेदार देशों के साथ अपने रक्षा संबंधों को मजबूत किया है, बल्कि यह भी दिखाया है कि हम जरूरत के समय एक साथ खड़े हैं। यह अभ्यास आपसी सह–अस्तित्व और सहयोग में हमारे विश्वास को दर्शाता है।

अभ्यास से मूल्यवान सीख मिलती

उन्होंने कहा कि जब विभिन्न पृष्ठभूमि और अनुभवों वाले सैनिक इस तरह के जटिल और बड़े पैमाने के अभ्यासों में एक साथ आते हैं, तो मूल्यवान सीख मिलती है। उन्होंने कहा, ष्विभिन्न कार्य संस्कृतियाँ, हवाई युद्ध के अनुभव और युद्ध–लड़ाई के सिद्धांत ज्ञान और कौशल के समृद्ध आदान– प्रदान में योगदान करते हैं।

भारतीय वायुसेना में आए बदलाव पर प्रकाश

रक्षा मंत्री ने स्वतंत्रता के बाद से भारतीय वायुसेना में आए बदलाव पर प्रकाश डाला, जिसमें केवल छह स्क्वाड्रन और सीमित उपकरण थे, जो अब दुनिया के कुछ सबसे उन्नत विमान और अगली पीढ़ी के उपकरण रखने वाले बन गए हैं। उन्होंने कहा, ष्आज, भारतीय वायुसेना सबसे अच्छे और आधुनिक विमानों से सुसज्जित है, जो हमारी प्रगति और क्षमता को दर्शाता है। सिंह ने भारत के रक्षा क्षेत्र में हाल की प्रगति की ओर भी इशारा किया, जिसमें हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड और सफ्रान हेलीकॉप्टर इंजन के बीच सहयोग शामिल है। उन्होंने जोर देकर कहा कि भारत केवल हथियारों के आयातक से विकसित होकर एक महत्वपूर्ण निर्यातक बन गया है, जिसके रक्षा उपकरण अब लगभग 90 देशों तक पहुँच रहे हैं। सिंह ने कहा, ष्हमारे घरेलू रक्षा क्षेत्र ने स्वदेशीकरण में काफी प्रगति की है, जिसमें हल्के लड़ाकू विमान, सेंसर, रडार और इलेक्ट्रॉनिक युद्ध प्रणाली का निर्माण शामिल है।

मुख्य आकर्षण में अग्निवीर वायु महिला एयर वॉरियर ड्रिल टीम (एडब्ल्यूडीटी) के प्रदर्शन के साथ–साथ एलसीए तेजस, एलसीएच प्रचंड, सारंग और एसकेएटी टीमों द्वारा प्रदर्शन शामिल थे।

हरियाणा में भाजपा सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई – हुड्डा

हरियाणा, एजेंसी। हरियाणा के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेंद्र सिंह हुड्डा ने बृहस्पतिवार को कहा कि राज्य में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो गई है और प्रदेश से इस ''भ्रष्ट'' और ''नाकारा'' सरकार का जाना तय है। कांग्रेस नेता ने आरोप लगाया कि झूठे वादों और घोटालों के जरिए 10 साल तक जनता को लूटने वाली सरकार को अब हिसाब देना होगा। उन्होंने सवाल उठाते हुए कहा, ''भाजपा को बताना होगा कि 2022 तक किसानों की आय दोगुनी करने के वादे का क्या हुआ? 10 साल में डीजल, खाद और बीज के दाम बढ़ाकर फसलों की लागत कई गुना क्यों बढ़ा दी? 13 माह तक चले किसान आंदोलन और 750 किसानों की शहादत को क्यों गंभीरता से नहीं लिया गया?' हुड्डा बृहस्पतिवार को अपनी पार्टी के उम्मीदवारों अशोक अरोड़ा (थानेसर), मेवा सिंह (लाडवा) और रामकरण काला (शाहबाद) के साथ इस जिले में थे। काला ने विधानसभा चुनाव के लिए अंतिम दिन नामांकन पत्र दाखिल किए। इस अवसर पर एक जनसभा को संबोधित करते हुए हुड्डा ने कांग्रेस उम्मीदवारों के लिए वोट की अपील की। उन्होंने कहा, ''लाडवा, थानेसर और शाहबाद से कांग्रेस के उम्मीदवार भारी मतों के अंतर से जीत दर्ज करेंगे और सरकार में इस क्षेत्र की बड़ी हिस्सेदारी होगी। हुड्डा ने कहा, ''लेकिन इस बार हमें जोश के साथ–साथ समझदारी से काम लेना होगा। भाजपा ने साजिश करके वोट काटने वाली कई पार्टियों और उम्मीदवारों को चुनाव में उतारा है।

कांग्रेस के वोट काटने के लिए भाजपा के इशारे पर टिकट बांटे गए हैं। उन्होंने कहा, ''..आपको सावधान रहना है और कांग्रेस उम्मीदवार को हर वोट डलवाना है और भारी बहुमत से सरकार बनानी है।

सीएम भजनलाल की अग्रिम जमानत रद्द करने के लिये अदालत में याचिका दायर

राजस्थान, एजेंसी। राजस्थान के भरतपुर में 2011 में हुई सांप्रदायिक हिंसा के मामले में मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा को मिली अग्रिम जमानत को रद्द करने के लिए बृहस्पतिवार को यहां एक अदालत में याचिका दायर की गई। याचिकाकर्ता सांवरमल चौधरी ने अपने वकील के माध्यम से जयपुर की अतिरिक्त जिला न्यायाधीश अनामिका सहारण की अदालत में दलील दी कि मुख्यमंत्री शर्मा को विदेश यात्रा के लिए अदालत की पूर्व अनुमति लेने सहित कुछ शर्तों के साथ मामले में जमानत दी गई थी।

याचिकाकर्ता के वकील सागर चौधरी कहा, मुख्यमंत्री को अदालत ने मामले में अग्रिम जमानत दी थी।

उन्होंने अदालत के निर्देशों का उल्लंघन किया है, क्योंकि वह इस समय विदेश यात्रा पर हैं। अदालत ने मामले की सुनवाई 24 सितंबर को तय की है। मुख्यमंत्री इस समय निवेशकों से मुलाकात करने के लिए 'राइजिंग राजस्थान इन्वेस्टर्स समिट–2024' के सिलसिले में विदेश यात्रा पर हैं।

याचिकाकर्ता के वकील ने बताया कि शर्मा भरतपुर के गोपालगढ़ में 2011 में हुई सांप्रदायिक हिंसा के मामले में एक आरोपी हैं। इस हिंसा में करीब 10 लोग मारे गए थे। मामले की जांच सीबीआई कर रही है।

निवेश पाने और रोजगार पैदा करने में महायुति सरकार की उपलब्धि - शिंदे

मुंबई, एजेंसी। महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव 2024 में होने है, जिसका समय नजदीक आ रहा है। चुनावों से पहले विपक्ष झूठी कहानियां फैलाने और विभाजनकारी प्रचार करने में जुटा हुआ है। वहीं महायुति सरकार महाराष्ट्र के लोगों के लिए निवेश लाने और रोजगार सृजित करने के लिए लगातार प्रयास करने में जुटी हुई है। सरकार की ष्महाराष्ट्र पहले, मराठी पहलेष नीति सफलत रही है, जिसमें कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं को केंद्र सरकार से मंजूरी मिली है।

ऊर्जा क्षेत्र– एक गेम–चेंजर

पंप स्टोरेज के लिए 2.14 लाख करोड़ रुपये के निवेश से राज्य के ऊर्जा क्षेत्र में क्रांति आएगी। ये राज्य में 40,870 मेगावाट अतिरिक्त बिजली पैदा करेगी। इसके साथ इससे युवाओं के लिए लगभग 72,000 रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इस संबंध में उपमुख्यमंत्री और राज्य के ऊर्जा मंत्री देवेंद्र फडणवीस ने हाल ही में ऊर्जा क्षेत्र से जुड़े महत्वपूर्ण समझौतों पर हस्ताक्षर भी किए है।

राज्य सरकार ने वाहन और ऊर्जा क्षेत्र में 1.20 लाख करोड़ रुपये के निवेश को मंजूरी दी है। टावर सेमीकंडक्टर और अडानी समूह पनवेल के तलोजा में एक सेमीकंडक्टर परियोजना स्थापित करेंगे, जिससे 5,000 नौकरियां पैदा होंगी। टोयोटा किर्लोस्कर ओरिक सिटी में इलेक्ट्रिक वाहन प्लांट स्थापित करेगी, जिससे लगभग 9,000 नौकरियां पैदा होंगी।

केंद्र सरकार ने मनमाड– इंदौर रेलवे लाइन परियोजना के लिए रू18,000 करोड़ मंजूर किए हैं। इस परियोजना में 30 नए स्टेशन शामिल होंगे, जो 1,000 से अधिक गांवों और 3 मिलियन से अधिक की आबादी को रेलवे नेटवर्क से जोड़ेंगे। रेलवे सेवाओं के विस्तार से इन अविकसित क्षेत्रों में औद्योगिक नेटवर्क की स्थापना होगी। राज्य सरकार ने नर–पार गिरन नदी लिंक परियोजना के लिए 7,000 करोड़ रुपये मंजूर किए हैं। इससे गुजरात से महाराष्ट्र को अतिरिक्त पानी मिलेगा। इस परियोजना से लगभग 50,000 हेक्टेयर भूमि की सिंचाई होगी, जिससे उत्तर महाराष्ट्र के नासिक, जलगांव और धुले जिलों को लाभ होगा। राज्य सरकार ने 81,000 करोड़ रुपये के निवेश वाली सात बड़ी परियोजनाओं को मंजूरी दी है, जिससे 20,000 रोजगार के अवसर पैदा होंगे। इन परियोजनाओं में उन्नत वाहन, सेमीकंडक्टर चिप्स और लिथियम बैटरी का उत्पादन शामिल है। इससे कोंकण, मराठवाड़ा और विदर्भ के विकास को काफी बढ़ावा मिलेगा।

पोर्ट ब्लेयर का नाम बदला, अब श्री विजय पुरम के नाम से होगी पहचान

नई दिल्ली, एजेसी। अंडमान और निकोबार द्वीप की राजधानी पोर्ट ब्लेयर अब श्री विजया पुरम के नाम से जाना जाएगा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने पोर्ट ब्लेयर का नाम श्री विजया पुरम किए जाने की घोषणा की। गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि देश को औपनिवेशिक छापों से मुक्त करने के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के दृष्टिकोण से प्रेरित होकर, आज हमने पोर्ट ब्लेयर का नाम बदलकर श्री विजया पुरम करने का निर्णय लिया है। शाह ने पहले के नाम को औपनिवेशिक विरासत बताया। इसके साथ ही कहा कि हमारे स्वतंत्रता संग्राम में और अंडमान एवं निकोबार द्वीप समूह की रही है और श्री विजया पुरम प्राप्त जीत का प्रतीक है।

अमित शाह ने कहा कि अंडमान और निकोबार द्वीप समूह का हमारे स्वतंत्रता संग्राम और इतिहास में अद्वितीय स्थान है। ये द्वीप क्षेत्र कभी चोल साम्राज्य के नौसैनिक अड्डे के रूप में कार्य करता था। लेकिन आज हमारी रणनीतिक और विकास आकांक्षाओं के लिए महत्वपूर्ण आधार बनने के लिए तैयार है। इसके साथ ही शाह ने कहा कि ये वो स्थान भी है जिसने नेताजी सुभाष चंद्र बोस जी द्वारा हमारे तिरंगे को पहली बार फहराया था और वह सेल्युलर जेल भी है जिसमें वीर सावरकर जी और अन्य स्वतंत्रता सेनानियों ने एक स्वतंत्र राष्ट्र के लिए संघर्ष किया था।

संपादकीय

महा कृषि योजना का अनुकरण

इस प्रकार, मैंने सार्वजनिक सेवा में एक दशक बिताया। इस सेवा ने मुझे राज्य के विभिन्न स्थानों पर ले गया, जिनके बारे में मैंने अपने किशोरावस्था के दिनों में कभी नहीं सुना था। बेशक, मैंने अपने छात्र जीवन सत्य साईं कॉलेज और कर्नाटक के व्हाइटफील्ड के छात्रावास में बिताए। उस प्रवास ने देश के बारे में मेरी समझ को व्यापक बनाया, क्योंकि मेरे मित्र विभिन्न राज्यों और कुछ मलेशिया, इंडोनेशिया और श्रीलंका से आए थे। इसलिए, मैं सभी तेईस (तत्कालीन) मौजूदा जिलों से परिचित नहीं था। यह एक अच्छी प्रथा थी कि सभी अंदरूनी लोग जो सिविल सेवा में चुने गए और आंध्र प्रदेश राज्य को आवंटित किए गए, उन्हें तेलंगाना जिलों में तैनात किया गया और बाहरी लोगों को जिन्हें एपी कैडर आवंटित किया गया, उन्हें तटीय और रायलसीमा जिलों में तैनात किया गया। जिलों में रहने से क्षेत्र स्तर पर प्रशासनिक मशीनरी की स्थिति का व्यापक विचार मिलता है। उनकी ताकत और कमजोरियाँ। इसलिए प्रशिक्षण के लिए नलगोंडा में मेरा प्रवास, उप–विभाग अनुभव के लिए वारंगल, आईटीडीए प्रबंधन के लिए पार्वतीपुरम, संयुक्त कलेक्टर के रूप में गुंटूर और अंत में कलेक्टर के रूप में महबूबनगर में रहने से मुझे वह सर्वांगीण अनुभव मिला। बेशक, यह स्पष्ट था कि विभिन्न क्षेत्रों में काम करना एक जैसा नहीं था। जगह–जगह समान परिणाम पाने के लिए अधिक शारीरिक प्रयास की आवश्यकता थी। बोली जाने वाली भाषा तेलुगु थी, लेकिन मुहावरा अलग था। सांस्कृतिक परिवेश अलग था। आबकारी विभाग में कुछ महीने रोमांचक रहे, क्योंकि नेल्लोर जिले के दुबागुंटा गांव से अरक विरोधी आंदोलन शुरू हो गया था। राजस्व का प्रवाह स्थिर रखने के लिए सरकार को अरक की बिक्री में सीधे तौर पर शामिल होना पड़ा। बाद में, मैं संयुक्त सचिव के रूप में वित्त और योजना विभाग में चला गया। 1992–93 में, सरकार महाराष्ट्र राज्य सरकार द्वारा लागू की जा रही योजना की तर्ज पर रोजगार गारंटी योजना लागू करना चाहती थी। उभरती हुई योजना के लिए दिशा–निर्देश तैयार करने के लिए, मैंने कुछ स्थानों का दौरा किया, जहाँ वाटरशेड कार्यक्रम लागू किया जा रहा था और महत्वपूर्ण परिणाम सामने आए। कृषि आयुक्त वीएस संपत ने गैर–सरकारी संगठनों के काम को देखने के लिए महाराष्ट्र और कर्नाटक में एक टीम का नेतृत्व किया। अडगांव, रालेगांव सिद्धि, पिडो और पानी पंचायत का दौरा आँखें खोलने वाला था। वाटरशेड कार्यक्रम से लाभ देखने लायक थे। भूजल स्तर में सुधार एक बहुत बड़ा चमत्कार था। हमने आर्टिसियन कुएँ भी देखे, जहाँ पानी लबालब भरा हुआ था। इन यात्राओं ने समिति को राज्य के लिए वाटरशेड–आधारित रोजगार गारंटी कार्यक्रम तैयार करने में सक्षम बनाया। यह महाराष्ट्र मॉडल से बेहतर था। राज्य सरकार ने संपत समिति की सिफारिशों को शामिल करते हुए कार्यक्रम की घोषणा की। बैच में हममें से कुछ लोगों के मन में यह विचार आया कि 'कोलंबो योजना' के तहत विदेश में प्रशिक्षण का लाभ अवश्य उठाया जाना चाहिए। इसलिए मैंने दूसरे जिले में जाने का मन नहीं बनाया। अपने जिले के दिनों में, मुझे ग्रामीण विकास पर आईडीएस ससेक्स के मौलिक काम को देखने का मौका मिला। इसलिए मुझे वहाँ प्रवेश की उम्मीद थी। दुर्भाग्य से, उस वर्ष इस योजना के तहत कोई प्रवेश उपलब्ध नहीं था। इसलिए मैंने ब्रैडफोर्ड विश्वविद्यालय में विकास और परियोजना नियोजन केंद्र में एमएससी कार्यक्रम चुना। यह मास्टर डिग्री के लिए दस महीने का अच्छा कार्यक्रम था। अर्थशास्त्र में मास्टर डिग्री की मेरी लंबे समय से प्रतीक्षित इच्छा वास्तविकता बन गई। उस पाठ्यक्रम के हिस्से के रूप में, मैंने रोजगार गारंटी योजना पर 10,000 शब्दों का विस्तारित निबंध प्रस्तुत किया। पाठ्यक्रम शुरू होने के बाद, कोई राहत नहीं मिली। यह एक गंभीर शैक्षणिक जीवन था। सौभाग्य से परिवारों को साथ जाने की अनुमति थी और किसी को शहर में किराए पर आवास लेना पड़ता था। इसलिए हमने हॉर्टन ग्रेंज रोड पर एक गुजराती से आवास किराए पर लिया। हमारे ज़्यादातर काम पैदल ही होते थे और हम सभी पैदल ही विश्वविद्यालय और खरीदारी आदि के लिए जाते थे, जिससे हमारी अतिरिक्त चर्बी कम हो जाती थी। हम इस कोर्स में तीन अधिकारी थे और हमें दूसरों से मिलने की तुलना में ज़्यादा बार मिलने का मौका मिलता था। कोरिया, नेपाल, अफ्रीकी महाद्वीप, फिलीपींस, पाकिस्तान, दक्षिण अफ्रीका के छात्र थे। उनमें से कुछ के लिए अंग्रेजी में पढ़ाना कुछ समस्याएँ पैदा करता था। मैंने अपने बैचमेट प्रवीण श्रीवास्तव से सांख्यिकी सेवा में सबक लेते हुए अपने विस्तारित निबंध को टाइप करने के लिए कंप्यूटर का उपयोग करना शुरू कर दिया। मेरे गंभीर शैक्षणिक प्रयास को तब झटका लगा जब हमें विजाग में मेरे पिता की दुर्घटना की खबर मिली। पहली कॉल ने ही गंभीरता को उजागर कर दिया और भारतीय दूतावास की मदद से मैं विजाग गया। यह एक बहुत बड़ी क्षति थी और ऐसा कुछ भी नहीं था जो किया जा सकता था। उस समय बहुत से बुजुर्ग, बुद्धिमान व्यक्ति और अनुभवी लोग हमें सांत्वना देने के लिए मेरे घर आए। पूज्य गुरुजी हमें बहुत प्यार से बता रहे थे कि उन्होंने मेरे पिता को मृत्यु के दर्द से मुक्ति दिलाई, जबकि मृत्यु अपरिहार्य थी। श्री श्री भाष्यम के सुखदायक शब्द अभी भी मेरे कानों में गूंज रहे हैं। पार्वती कुमार ने मेरे पिता को अपना सम्मान दिया क्योंकि ऐसा लगता है कि उन्होंने उनसे अंग्रेजी साहित्य की शिक्षा ली थी। मुझे समझ में आने लगा कि मेरे पिता ने शहर में क्या हासिल किया।

शांति और प्रगति का मार्ग है बहुलवाद

आदित्य

हालाँकि यह अल्लाह के आह्वान के साथ शुरू होता है और इस्लाम को राज्य धर्म के रूप में नामित करता है, लेकिन बांग्लादेश के पीपुल्स रिपब्लिक का संविधान इसे एक धर्मनिरपेक्ष लोकतंत्र घोषित करता है। यही कारण है कि छात्रों के नेतृत्व में, लोकतंत्र समर्थक विद्रोह ने कभी भी स्पष्ट रूप से इस्लामवादी आवरण हासिल नहीं किया। फिर भी, जब पीएम शेख हसीना ने 5 अगस्त को जल्दबाजी में इस्तीफा दे दिया और भारत भाग गईं, तो कई बांग्लादेशियों, खासकर हिंदुओं के लिए एक दुःस्वप्न शुरू हो गया। जबकि भारत ने हसीना, एक वफादार दोस्त को तुरंत शरण दी, उनके अनुयायियों को लोकप्रिय प्रतिशोध का सामना करना पड़ा। कुछ हिंदू घरों में तोड़फोड़ की गई। अकेले 5 अगस्त को, 10 हिंदू मंदिरों में तोड़फोड़ की गईय इनमें से एक इस्कॉन मंदिर था जिसे आग के हवाले कर दिया गया। अगले दो हफ्तों में, बांग्लादेश हिंदू–बौद्ध–ईसाई एकता परिषद ने हिंदुओं और अन्य धार्मिक अल्पसंख्यकों के पूजा स्थलों, जीवन और आजीविका पर 205 हमले दर्ज किए। दिवंगत प्रधानमंत्री के समर्थक के रूप में देखे जाने वाले हिंदुओं के साथ, पूरा समुदाय जवाबी हमलों के लिए असुरक्षित हो गया। यह यहीं नहीं रुका। बांग्लादेश के

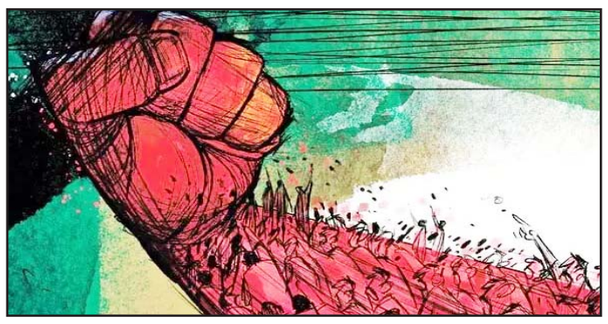

मुक्ति संग्राम में हमारी महत्वपूर्ण भूमिका से लेकर हसीना की पार्टी के साथ भारत की लंबे समय से चली आ रही घनिष्ठ मित्रता से क्रोधित होकर विद्रोहियों ने भारत–बांग्लादेश सौहार्द के एक के बाद एक प्रतीकों को नष्ट कर दियारू ढाका में इंदिरा गांधी सांस्कृतिक केंद्रय शेख मुजीबुर रहमान का स्मारक बंगबंधु भवनय और यहां तक कि मुजीबनगर में 1971 के युद्ध का स्मारक भी नष्ट कर दिया गया, जिसमें पाकिस्तान द्वारा भारतीय सेना के सामने आत्मसमर्पण को दर्शाया गया था। हसीना के चले जाने के बाद, नोबेल शांति पुरस्कार विजेता और नागरिक समाज कार्यकर्ता मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली संक्रमणकालीन सरकार, जो लंबे समय से हसीना समर्थित खोजबीन का लक्ष्य रही थी, लोकतांत्रिक पुनर्गठन की शुरुआत करने के लिए पूरी तरह तैयार लग रही थी। उन्होंने अल्पसंख्यक नेताओं से मुलाकात की और उन्हें सुरक्षा का आश्वासन दिया। इसने सैकड़ों छात्र स्वयंसेवकों को अपने हिंदू साथी नागरिकों के मंदिरों और घरों की रक्षा करने के लिए प्रेरित किया, ढाका के ढाकेश्वरी मंदिर जैसे पवित्र स्थलों के चारों ओर मानव श्रृंखला बनाई और रात भर हिंदू इलाकों में गश्त की। यूनुस ने खुद ढाकेश्वरी का दौरा किया और युवा क्रांतिकारियों को भीड़ के दुर्भावनापूर्ण इरादों के खिलाफ आगाह किया, जिसके पीछे जमात–ए–इस्लामी जैसे इस्लामी राज्य के पैरोकार और मुख्य विपक्षी दल बेगम खालिदा जिया की बांग्लादेश नेशनलिस्ट पार्टी के कुछ तत्व होने का संदेह था। पुलिस काम पर लौट आईय धीरे–धीरे शांति बहाल हुई। भारत बांग्लादेशी लोगों और उनके राजनीतिक भाग्य को निर्धारित करने के उनके अधिकार के साथ खड़ा है। लेकिन अपदस्थ हसीना सरकार हमारी एक अपरिहार्य मित्र थी, जिसने हमारे देश के 'कमजोर हिस्से' से उभर रहे इस्लामी उग्रवाद को पीछे हटाने में हमारी मदद की। भारतीय हितों के प्रति शत्रुतापूर्ण और पाकिस्तान से संबद्ध और चीन द्वारा समर्थित इस्लामी ताकतों द्वारा हस्तक्षेप के लिए ग्रहणशील ताकतों द्वारा नियंत्रण ग्रहण करने का एक वैध डर भी था। हालांकि उनकी संख्या विभाजन के समय की आबादी के 29 प्रतिशत से घटकर आज 8 प्रतिशत रह गई है, लेकिन हिंदू बांग्लादेश के सबसे बड़े धार्मिक अल्पसंख्यक बने हुए हैं। अपने देश के भविष्य में खुद को बराबर का हितधारक मानते हुए, अनगिनत हिंदू छात्रों ने हसीना के तानाशाही रुख का विरोध करने में अपने मुस्लिम साथियों के साथ कंधे से कंधा मिलाकर लड़ाई लड़ी, सड़कों पर नारे लगाते हुए – ष्आप कौन हैं? मैं कौन हूँ? बंगाली, बंगाली!ष – यह दर्शाता है कि उनके सभी धार्मिक मतभेदों के बावजूद, वे एक साझा जातीयता और संस्कृति से एकजुट थे। बांग्लादेश में हिंदुओं की सुरक्षा के बारे में भारत की वैध चिंताएँ, हालाँकि, भारत के मीडिया के कुछ हिस्सों द्वारा हिंदू विरोधी हिंसा के उन कृत्यों को सरकार द्वारा प्रायोजित नरसंहार के रूप में चित्रित करने को उचित नहीं ठहराती हैं। निस्संदेह, भारत में इस्लामोफोबिक भावनाओं को भड़काने के लिए प्रसारित किया गया, जहाँ वे पहले से ही उबल रहे हैं, इन झूठों को जल्दी ही हवा दे दी गई। उदाहरण के लिए, जब एक दृश्य में कथित तौर पर चटगाँव के एक मंदिर को आग की लपटों में घिरा हुआ दिखाया गया, तो एक गहन तथ्य–जांच ने तुरंत इसे खारिज कर दियारू आग मंदिर में नहीं बल्कि पास के अवामी लीग कार्यालय में लगी थी। यह आंशिक रूप से सच है कि बांग्लादेश में हिंदुओं पर हमला अवामी लीग के खिलाफ राजनीतिक आक्रोश का परिणाम है, जो एक धर्मनिरपेक्ष पार्टी है जिसे अपनी नीतियों में भारत समर्थक माना जाता है। फिर भी, जबकि छात्रों के नेतृत्व में रिपब्लिकन धर्मयुद्ध इस साल ही शुरू हुआ है, बांग्लादेशी हिंदू वर्षों से डर में जी रहे हैं। बांग्लादेशी मानवाधिकार समूह ऐन–ओ–सलिश केंद्र ने जनवरी 2013 से हिंदुओं पर 3,679 हमले दर्ज किए हैं, जिनमें बर्बरता, आगजनी और लक्षित हिंसा शामिल है। इनमें से लगभग सभी मामलों में, अधिकारी पीड़ितों की सुरक्षा करने और हमलावरों को न्याय के कटघरे में लाने में विफल रहे। पिछले साल, बांग्लादेश में अल्पसंख्यक नेताओं ने कहा कि वहां के अधिकारी बहुसंख्यकों की भावनाओं को ठेस पहुँचाने के आरोप में गैर–मुसलमानों, खासकर हिंदुओं के खिलाफ डिजिटल सुरक्षा अधिनियम जैसे कानूनों का इस्तेमाल करते हैं। ढाकेश्वरी की अपनी यात्रा के बाद, यूनुस ने धार्मिक अल्पसंख्यकों को आश्वस्त किया कि वे सुरक्षित हैं। उन्होंने कहा, अधिकार सभी के लिए समान हैं। प्रमुख हिंदुओं और मुसलमानों की एक महत्वपूर्ण बैठक हुई जिसमें दोनों समुदायों ने केवल आम सहमति और आपसी सहयोग से ही आगे बढ़ने का संकल्प लिया।

देश को एकता के सूत्र में पिरोती हमारी राष्ट्र भाषा

विनोद

आप सभी को हिंदी दिवस की ढेरों शुभकामनाएं। सोचो हिंदी, लिखो हिंदी, बोलो हिंदी, पढ़ो हिंदी। आज 14 सितंबर है और यह दिन हिंदी भाषा को समर्पित किया गया है। देश को एकता और अखंडता के सूत्र में बांधने वाली हिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं बल्कि भावों की अभिव्यक्ति है। हमारे लिए, हमारे समाज के लिए और देश की एकता और अखंडता के लिए हिंदी की कितनी ज्यादा अहमियत है, इसी की ध्यान में रखकर हर वर्ष 14 सितंबर के दिन देश में हिंदी दिवस मनाया जाता है। आज हिन्दी के प्रचार और प्रसार के लिए संकल्प लेने का दिन है। भारत की संविधान सभा द्वारा हिंदी को आधिकारिक भाषा घोषित करने की याद में हर साल 14 सितंबर को मनाया जाता है। साथियों, आजादी मिलने के दो साल बाद 14 सितबंर 1949 को संविधान सभा में एक मत से हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया था। इस निर्णय के बाद हिंदी को हर क्षेत्र में प्रसारित करने के लिए राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के अनुरोध पर 1953 से पूरे भारत में 14 सितंबर को हर साल हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। 14 सितंबर 1953 को पहली बार देश में हिंदी दिवस मनाया गया। तब से हर साल पूरे देश में हिंदी दिवस बड़े ही उत्साह के साथ मनाया जाता है। भारत विविधाताओं से भरा देश है। यहां अलग अलग धर्म व जाति के लोग रहते हैं। अलग अलग भाषाएं, बोलियां बोलने वाले, अलग अलग वेश–भूषा, खानपान व संस्कृति के लोग रहते हैं। ये हिंदी भाषा ही है जो देश के सभी लोगों एकता और अखंडता के सूत्र में पिरोती है। देश को एक और अखंड रखने में हिंदी का बहुत बड़ा योगदान है। हिन्दी सिर्फ भाषा या संवाद का ही साधन नहीं है, बल्कि हर भारतीय के बीच सामाजिक और सांस्कृतिक सेतु भी है। हिन्दी भाषा हमें हमारे वर्तमान के साथ साथ भारतीय संस्कृति की धरोहर उन महान प्राचीन संस्कृत ग्रंथों से भी जोड़ती है, जो आज हमारे लिए गर्व का कारण है। एक लोकतांत्रिक देश में तो अपनी मिट्टी से जन्मी भाषा के प्रयोग का महत्व इसलिए भी और महत्वपूर्ण व अनिवार्य हो जाता है क्योंकि वही लोकमत की अभिव्यक्ति का सही और स्वभाविक माध्यम हो सकता है। यह हम सब भारतवासियों का कर्त्तव्य है कि हम हिंदी भाषा के विकास, विस्तार, प्रचार प्रसार में अपना योगदान दें अधिकाधिक हिंदी भाषा का बोलने लिखने में प्रयोग करें साथ ही प्रसारित करने में अपना योगदान दें साथियों हमारे देश की महान हस्तियां भी हिंदी को प्रोत्साहित करने के लिए पुरजोर समर्थन देती रही हैं भारत विविधता से भरा देश है। यहां बहुत सी जाति–धर्म के मानने वाले लोगों का वास है जिसके चलते यहां बहुत सी बोलियों और भाषाओं का प्रयोग बोलचाल में किया जाता है। भारतीय संविधान में 22 भाषाओं को मान्यता को मान्यता दी गई है। उनमें से कुछ प्रमुख बंगाली, मराठी, पंजाबी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़ आदि हैं। हिंदी देश में सबसे अधिक लोगों के द्वारा बोली और समझी जाने वाली भारतीय भाषा है। भारत देश को एकता के सूत्र में पिरोने वाली हिंदी को राजभाषा का गौरव प्राप्त है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने हिंदी को जनमानस की भाषा कहा था। आचार्य विनोबा भावे ने कहा था कि मैं दुनिया की सभी भाषाओं की इज्जत करता हूं पर मेरे देश में हिंदी की इज्जत न हो, यह मैं सह नहीं सकता। हिंदी ने हमें दुनियाभर में पहचान दिलाई है। भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर के कई देशों में हिंदी बोली जाती है। इंग्लिश और मंदारिन के बाद हिंदी विश्व की तीसरी सबसे ज्यादा बोले जाने वाली भाषा है। देश में हिंदी को बढ़ावा देने के लिए 14 सितंबर को राष्ट्रीय हिंदी दिवस और हिंदी को वैश्विक स्तर पर बढ़ावा देने के लिए 10 जनवरी को हर साल विश्व हिंदी दिवस भी आयोजित किया जाता है। हिंदी दिवस हर साल भारत में 14 सितंबर को मनाया जाता है। आजादी मिलने के दो साल बाद 14 सितबंर 1949 को संविधान सभा में एक मत से हिंदी को राजभाषा घोषित किया गया था। इस निर्णय के बाद हिंदी को हर क्षेत्र में प्रसारित करने के लिए राष्ट्रभाषा प्रचार समिति, वर्धा के अनुरोध पर 1953 से पूरे भारत में 14 सितंबर को हर साल हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाने लगा। 14 सितंबर 1953 को पहली बार देश में हिंदी दिवस मनाया गया। तब से हर साल पूरे देश में हिंदी दिवस बड़े ही उत्साह के साथ मनाया जाता है। हमारे संविधान में भाग 17 के अनुच्छेद 343 से 351 तक राजभाषा को लेकर विशेष प्रावधान हैं। अनुच्छेद 343 (1) अनुच्छेद में कहा गया है कि भारत संघ की भाषा देवनागरी लिपी में हिन्दी होगी। हिंदी दिवस का मकसद हिंदी भाषा को बढ़ावा देना है। इस भाषा की अहमियत के प्रति लोगों में जागरूकता फैलाना है। यह दिन हिंदी भाषा के महत्व, इसकी वर्तमान स्थिति और भविष्य में इसके समक्ष चुनौतियों पर मंथन करने का मौका देता है। हिंदी भाषा भारत के बाहर 20 से अधिक देशों में बोली जाती है। हिंदी का महत्व इस बात से पता चलता है कि आज देश में डॉक्टरी और इंजीनियरिंग की पढ़ाई भी कई संस्थानों में हिंदी मीडियम में होने लगी है। एमबीबीएस व बीटेक की किताबें हिंदी में आने लगी हैं। सोशल मीडिया पर भी लोग जमकर हिंदी का इस्तेमाल करने लगे हैं। हिंदी की अहमियत का अंदाजा इससे पता चलता है कि आज हिंदी दुनिया में तीसरी सर्वाधिक बोली जाने वाली भाषा है। भारत ही नहीं बल्कि दुनिया भर के कई देशों में हिंदी बोली जाती है। इंग्लिश और मंदारिन के बाद हिंदी विश्व की तीसरी सबसे ज्यादा बोले जाने वाली भाषा है। विदेशों में बसे भारतीय प्रवासी तथा अमेरिका, मॉरीशस, दक्षिण अफ्रीका, यमन, न्यूजीलैंड और नेपाल आदि देशों में रहने वाले अन्य लोग भी हिन्दी बोलते हैं, जिससे हिन्दी को लोकप्रिय बनाने में मदद मिलती है। साथियों, हिंदी महज भाषा नहीं, बल्कि हमारी पहचान है। हिंदी बोलें, रोजमर्रा के व्यवहारिक जीवन में अमल में लाएं, हिंदी सीखें और सिखाएं। आज के दिन हमें अधिक से अधिक प्रयोग में लाने का संकल्प लेना चाहिए। साथियों आज हिंदी को रोजगार की भाषा बनाना होगा। आज रोजगार की दुनिया में अंग्रेजी का वर्चस्व है। आज हमें सबसे हिंदी में बोलने, पढ़ने और लिखने का संकल्प लेना चाहिए। बच्चों पर अंग्रेजी लादने की बजाय उन्हें हिंदी भी सिखानी चाहिए। कोई भी भाषा तभी बचती है जब शब्द बचते हैं, गढ़े जाते हैं, साहित्य रचा जाता है और ज्ञान का निर्माण होता है। देश को एकता के सूत्र में बांधने वाली हिंदी सिर्फ एक भाषा नहीं बल्कि भावों की अभिव्यक्ति है। आइये हम सब मिलकर इसको अधिक से अधिक उपयोग में लाएं।

ट्रम्प बनाम कमला हैरिस अमेरिकी राष्ट्रपति बहस

ललित

पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने मंगलवार रात फिलाडेल्फिया में अपनी पहली और संभवतः एकमात्र बहस में भाग लिया। दोनों प्रतियोगियों के बीच पहले कभी कोई मुलाकात नहीं हुई थी, और इस अवसर को पंडितों द्वारा अमेरिकी जनता और दुनिया के लिए उन नीतियों के बारे में अधिक जानने का अवसर माना गया था, जिन्हें सुश्री हैरिस और श्री ट्रम्प चुनाव जीतने पर अपनाएंगे। फिर भी 90 मिनट की बहस में, किसी भी प्रमुख पार्टी के उम्मीदवार ने इस बारे में कोई नई जानकारी नहीं दी कि वे घरेलू चुनौतियों, जैसे कि बढ़ते किराने के बिल और जलवायु परिवर्तन, या गाजा और यूक्रेन में युद्ध जैसे वैश्विक संकटों से कैसे निपटेंगे। इसके बजाय, अमेरिका और दुनिया भर में करोड़ों दर्शकों ने दुनिया के दूसरे सबसे बड़े लोकतंत्र में चुनावी राजनीति के रूप में पेश किए जाने वाले पूर्वानुमानित रियलिटी टेलीविजन के नवीनतम एपिसोड को देखा। सुश्री हैरिस और श्री ट्रम्प ने एक–दूसरे पर लोकतंत्र को कमजोर करने, अमेरिकी अर्थव्यवस्था को नुकसान पहुँचाने और दुनिया को कम सुरक्षित बनाने का आरोप लगाते हुए एक–दूसरे पर कटाक्ष किए। इस बहस में कई विचित्र क्षण भी आए, जिसमें श्री ट्रम्प ने बिना किसी सबूत के यह दावा किया कि हैती के अप्रवासी अपने पड़ोसियों के पालतू जानवरों को खा रहे हैं, जबकि सुश्री हैरिस ने अपने प्रतिद्वंद्वी पर अफगानिस्तान को तालिबान को सौंपने का आरोप लगाया, जबकि राष्ट्रपति जो बिडेन के नेतृत्व में उनका प्रशासन ही काबुल से अमेरिका की अराजक वापसी को अंजाम दे रहा था। बहुत बार, बहस एक सीक्वल की तरह महसूस हुई, जिसमें एक ऐसी स्क्रिप्ट दोहराई गई, जिसे अमेरिका और दुनिया ने पहले भी कई बार देखा है। सुश्री हैरिस ने श्री ट्रम्प पर रूस के प्रति नरम रुख अपनाने का आरोप लगाया, जबकि श्री ट्रम्प ने सुश्री हैरिस को एक छिद्रपूर्ण दक्षिणी सीमा के लिए दोषी ठहराया। दोनों में से किसी ने भी एक–दूसरे पर दबाव नहीं डाला।

स्थानीय जातीय 'युद्ध' राष्ट्रीय संकट में बदल गया

संजय

इसकी शुरुआत बहुसंख्यक मैतेई और अल्पसंख्यक कुकी आदिवासी लोगों के बीच एक स्थानीय जातीय युद्ध के रूप में हुई थी, लेकिन 16 महीने बाद, मणिपुर में हिंसा स्पष्ट रूप से एक राष्ट्रीय सुरक्षा मुद्दा बन गई है, जिसमें बाहरी तत्वों पर अशांत जल में मछली पकड़ने के आरोप हैं। पिछले दस दिनों में हिंसा अचानक बढ़ गई, लेकिन परेशान करने वाला हिस्सा नागरिकों पर हमला करने के लिए रॉकेट–प्रोपेल्ड ग्रेनेड के पेलोड ले जाने वाले परिष्कृत ड्रोन का इस्तेमाल रहा है। और, एक ऐसा मामला सामने आया है, जिसमें राज्य के बिष्णुपुर जिले के मोइरांग में आईएनए स्मारक के पास मणिपुर के पहले मुख्यमंत्री एम. कोइरेंग के पैतृक घर पर एक लंबी दूरी की तात्कालिक मिसाइल प्रणाली का इस्तेमाल किया गया, जिससे 78 वर्षीय मैतेई पुजारी की मौत हो गई। ड्रोन और कम से कम 7 किमी की दूरी से दागी गई लंबी दूरी की प्रक्षेपास्त्र के इस्तेमाल ने राज्य और केंद्रीय सुरक्षा प्रतिष्ठान को मौजूदा स्थिति पर गहराई से नजर डालने के लिए मजबूर कर दिया है। इन हथियारों के इस्तेमाल का मतलब यह था कि हमलावर, चाहे वे किसी भी पक्ष के हों, अपनी सुरक्षित जगहों से जब चाहें हमला कर सकते थे और अगर चाहें तो तबाही मचा सकते थे। इसके अलावा, इसने इन हथियारों के स्रोत के बारे में भी सवाल उठाए हैं क्योंकि मणिपुर संघर्षग्रस्त म्यांमार के साथ 398 किलोमीटर लंबी छिद्रपूर्ण सीमा साझा करता है। यह चिंता का एक गंभीर कारण है क्योंकि गृहयुद्ध से त्रस्त म्यांमार में पूर्वोत्तर भारतीय राज्यों के साथ सीमा पर कई मिलिशिया सक्रिय हैं और उनके पास अत्याधुनिक हथियार और सैन्य हार्डवेयर भी हैं, जिन्हें वे धन जुटाने के लिए बेच सकते हैं। पहले से ही, मणिपुर देश के सबसे अधिक सैन्यीकृत राज्यों में से एक बन गया है। 3 मई, 2023 को शुरू हुई जातीय हिंसा के कुछ ही महीनों के भीतर, मुख्य रूप से इंफाल घाटी में उत्तेजित भीड़ ने राज्य सुरक्षा बलों के ज़्यादातर हथियार लूट लिए। अनुमान है कि मणिपुर पुलिस के शस्त्रागार और अन्य सुविधाओं से लगभग 5,000 स्वचालित और अर्ध– स्वचालित हथियार और 500,000 राउंड गोला–बारूद लूटे गए हैं। इसलिए, इम्फाल घाटी में लोगों के एक समूह के हाथों में अचानक बहुत सारे हथियार और गोला–बारूद आ गए, और, एक भयंकर जातीय संघर्ष के दौरान, राज्य में सुरक्षा चुनौती और भी बढ़ गई। इसके अलावा, म्यांमार में सैन्य जुंटा और लोकतंत्र समर्थक मिलिशिया के बीच युद्ध के मद्देनजर घाटी के मेइतेई विद्रोही, जिनके म्यांमार में सीमा पार ठिकाने थे, घर लौट आए। पहाड़ियों में, जातीय उभार की शुरुआत से ही, कुकी नेशनल ऑर्गनाइजेशन (केएनओ) और यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (यूडीएफ) के बैनर तले 2,000 से अधिक कुकी विद्रोही कैडर (आधिकारिक रूप से सूचीबद्ध) सुर्खियों में रहे हैं, जो 2008 से केंद्र और राज्य सरकार के साथ संचालन निलंबन (एसओओ) समझौते पर हैं। इन कुकी विद्रोहियों पर इम्फाल घाटी के समूहों द्वारा अन्य लोगों के साथ मेइतेई के हमलों का नेतृत्व करने का आरोप लगाया गया है, एक आरोप जिसे इन एसओओ समूहों ने नकार दिया है। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन. बीरेन सिंह और उनकी सरकार एसओओ समझौते को रद्द करना चाहती है। एसओओ समझौता, जो मूल रूप से एक संघर्ष विराम समझौता है, पिछले फरवरी में समाप्त हो गया था और आधिकारिक तौर पर इसका नवीनीकरण नहीं किया गया है, हालांकि विद्रोही अभी भी 14 नामित शिविरों में रह रहे हैं। युद्धविराम के तहत इन समूहों के नेताओं का कहना है कि उनके हथियार दोहरे ताले में बंद हैं, जिनमें से एक चाबी राज्य के अधिकारियों के पास है। लेकिन, ऐसे दावों के बावजूद, इंफाल घाटी में नेताओं और संगठनों द्वारा एसओओ समूहों पर मैतेईस पर हमलों में शामिल होने का आरोप लगाया जाता रहा है। पिछले कुछ दिनों में, शुक्रवार से रविवार तक, मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने दो कैबिनेट बैठकों की अध्यक्षता की और राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य से दो बार मुलाकात की, शनिवार को अकेले और रविवार को सत्तारूढ़ गठबंधन के कई मंत्रियों और विधायकों के साथ। मुख्यमंत्री ने राज्यपाल के माध्यम से केंद्र को स्पष्ट रूप से कहा कि स्थिति से निपटने के लिए राज्य सरकार को पूर्ण अधिकार दिए जाएं और सुरक्षा बलों की एकीकृत कमान का प्रभार राज्य को दिया जाए। मुख्यमंत्री ने ऐसी मांग इसलिए की (कानून और व्यवस्था वैसे भी राज्य का विषय है) क्योंकि मणिपुर में अनुच्छेद 355 एक साल से अधिक समय से लागू है। अनुच्छेद 355 क्या है? इस प्रावधान में कहा गया है कि बाहरी आक्रमण और आंतरिक अशांति से प्रत्येक राज्य की रक्षा करना संघ का कर्तव्य होगा। केंद्र से अधिक सक्रिय होने के लिए कहकर (हालांकि इतने शब्दों में नहीं) और एकीकृत कमान का प्रभार मांगकर, मणिपुर में राज्य नेतृत्व यह संदेश देना चाहता है कि जमीनी मामलों को संभालने में अभी उसके पास पूर्ण अधिकार या अंतिम निर्णय नहीं है। इसके अलावा, मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने एक बार फिर कुकी विद्रोही समूहों के साथ एसओओ समझौते को रद्द करने, म्यांमार के साथ सीमा पर बाड़ लगाने और म्यांमार के साथ मुक्त आवागमन व्यवस्था (एफएमआर) पर प्रतिबंध के सख्त कार्यान्वयन की मांग दोहराई। एफएमआर, जो भारत और म्यांमार दोनों के लोगों को एक दूसरे के क्षेत्र में 16 किमी की दूरी तक जाने की अनुमति देता था, जातीय हिंसा के बाद बंद कर दिया गया है। यह भय या संदेह को दर्शाता है। बिरेन सिंह सरकार का मानना घ्है कि म्यांमार के तत्व कुकीज की मौजूदा लड़ाई में उनकी मदद कर सकते हैं, क्योंकि म्यांमार के सीमावर्ती इलाकों में कुकी–चिन समूह के लोग रहते हैं। श्री मैं मूल कुकीज के खिलाफ नहीं हूं। हमारा खतरा कुकीज प्रवासियों से है, जो म्यांमार से आ रहे हैं। संघर्ष के भंवर में केंद्रीय सुरक्षा बलों का एक हिस्सा शामिल है, खासकर अर्धसैनिक असम राइफल्स, जो देश का सबसे पुराना अर्धसैनिक बल है, जिसकी स्थापना 1835 में हुई थी। मैतेई समूह और नेता असम राइफल्स पर कुकीज का समर्थन करने और इसलिए तटस्थ भूमिका नहीं निभाने का आरोप लगाते हैं। हालांकि, असम राइफल्स इस आरोप से इनकार करती है।

आयुर्वेदिक पौधों का पौधरोपण कार्यक्रम

संस्था जी0एस0 सोशल एंड वेलफेयर सोसाइटी (हेल्पिंग हैंडस ग्रुप) लखनऊ के माध्यम से सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर संस्था द्वारा विद्यालय में आयुर्वेदिक पौधों का पौधरोपण कार्यक्रम संस्था जी0एस0 सोशल एंड वेलफेयर सोसाइटी (हेल्पिंग हैंडस ग्रुप) लखनऊ के माध्यम से पौधारोपण कार्यक्रम अभ्युदय कम्पोजिट स्कूल परिषदीय स्पोर्ट काम्प्लेक्स भरोसा, निकट भारत पेट्रोलियम, आगरा एक्सप्रेस वे, मोहान रोड,लखनऊ में आयोजित हुआ, पौधारोपण कार्यक्रम में विद्यालय की ओर से सभी शिक्षकगण और विद्यार्थीगण भारी संख्या में उपस्थित रहे, अभियान की शुरुवात प्रधानाचार्य महोदय द्वारा एक पौधारोपण के साथ हुईं,जिसमें सभी विद्यार्थियों ने एक पौधा अपनी माँ के नाम लगाकर आयुर्वेदिक पौधों की देखभाल के लिए शपथ ली।संस्था की ओर से कार्यक्रम अध्यक्ष श्रीमती शुभा श्रीवास्तव जी ने श्री वीरेंद्र कुमार (प्रधानाचार्य) जी को मोमेंटो देकर सम्मानित किया और श्री वेद प्रकाश श्रीवास्तव जी ने श्रीमती खुशबू गोस्वामी जी को मोमेंटो देकर सम्मानित किया।। विद्यालय की ओर से सभी शिक्षकगण और भारी संख्या में बच्चों ने आयुर्वेदिक पौधों का पौधारोपण किया।सभी ने अपने हाथों से पौधारोपण करके एक पेड़ माँ के नाम लगाया,कार्यक्रम में श्रीमती खुशबू गोस्वामी जी ने बच्चों से हिन्दी दिवस पर अपने विचार रखने को कहा और क्विज प्रतियोगिता के द्वारा बच्चों को पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया और वर्ष 2023–24 में विद्यालय के कक्षा एक से आठ में प्रथम श्रेणी में आये बच्चों को संस्था के अध्यक्ष श्रीमती शुभा श्रीवास्तव, श्री वेद प्रकाश श्रीवास्तव और श्री हिमांशु गुप्ता जी के द्वारा पुरस्कार प्रदान किये गए। विद्यालय में छात्र –छात्राओं ने हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर व्याख्यान कार्यशाला , प्रतियोगी प्रश्न–उत्तरी कार्यक्रम आयोजित हुआ और संस्था द्वारा उत्तीर्ण बच्चों को पुरस्कार भी प्रदान किये और पौधारोपण में पूर्ण सहयोग प्रदान किया, संस्था जी0 एस0 सोशल एंड वेलफेयर सोसाइटी, लखनऊ की ओर से श्रीमती शुभा श्रीवास्तव,खुशबू गोस्वामी, सर्वश्री वेद प्रकाश श्रीवास्तव,आर. के. गोस्वामी, हिमांशु गुप्ता,और विद्यालय के समस्त विद्यार्थीगण और शिक्षकगण उपस्थित रहे कार्यक्रम में श्रीमती खुशबू गोस्वामी जी (फाउंडर मैग्नेटोमिंड्स) ने कार्यक्रम में बच्चों को हिन्दी दिवस के शुभ अवसर पर कार्यशाला आयोजित की और अंग्रेजी भाषा के प्रयोग के बारे भी बताया साथ –साथ पर्यावरण और आयुर्वेदिक पौधों के पौधारोपण से वातावरण में होने फायदे के बारे में भी बताया और उनकी देखरेख करने के लिए भी सुझाव दिए । कार्यक्रम में बच्चों ने पौधारोपण कार्यक्रम में पूर्ण सहयोग प्रदान किया। हिन्दी दिवस पर आयोजित कार्यशाला और एक पौधा अपनी माँ के नामकार्यक्रम को सफल बनाने में महासचिव श्री अरुण कुमार शुक्ला ने प्रधानाचार्य महोदय का ह्रदय से धन्यवाद और आभार व्यक्त किया।

अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद ने दी श्रद्धांजलि

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद कानपुर प्रांत के संगठन मंत्री एवं अवध प्रांत के अध्यक्ष मेजर बीरेंद्र सिंह तोमर ने श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि बड़ी ही दुखद एवं ह्रदय विदारक घटना को अवगत करा रहा हूं कि ग्राम मसमरिया जनपद जालौन निवासी लांस नायक सौरभ द्विवेदी देश की उत्तरी सीमा पर जम्मू क्षेत्र में आर्म्ड कोर बटालियन में तैनात थे। वहां के मौसम की विपरीत परिस्थितियों के कारण वह अस्वस्थ हो गए थे। अतः उनको जम्मू के सैनिक अस्पताल में इलाज हेतु भर्ती कराया गया था। जब वहां पर उनको आराम ना मिला तो उनको उच्च चिकित्सा हेतु उत्तरी कमान अस्पताल में रेफर किया गया था वहां पर उनका सुचारू से इलाज हुआ लेकिन उनकी हालत में सुधार नहीं हुआ था अतः उन्होंने उत्तरी कमान हॉस्पिटल उधमपुर में दिनांक 10 सितंबर 2024 को अंतिम सांस ली उनके निधन की सूचना पाकर पूरे जिले में शोक की लहर दौड़ गई आज दिनांक 13 सितंबर 2024 को उनका पार्थिव शरीर आर्मी के द्वारा उनके पैतृक गांव लाया गया तो उस समय देश की सेवा करने वाले सैनिक के अंतिम दर्शन हेतु जन सैलाब उमर पाड़ा उनका अंतिम संस्कार उनके पैतृक गांव मसमरिया मैं 31 आर्म्ड डिविजन झांसी के तत्वावधान में सैनिक टुकड़ी द्वारा राष्ट्रीय ध्वज के साथ गॉड ऑफ ऑनर देकर अंतिम सलामी दी गई व विधि विधान से अंतिम संस्कार कराया गया इस मौके पर जनपद में सैनिकों के मुखिया जिला सैनिक कल्याण अधिकारी कमांडर नयन सिंह रावत ने जिले के सभी सैनिकों की ओर से पुष्प चक्र अर्पित कर अश्रु पूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की इसके साथ–साथ जनरल ऑफिसर कमांडिंग 31 आर्म्ड डिविजन की ओर से भी उनकी टीम ने पुष्प चक्र अर्पित कर अंतिम सलामी दी। इसके साथ–साथ जिले के प्रमुख राजनेताओं तहसील कालपी के उप जिलाधिकारी पुलिस क्षेत्राधिकार कालपी सैनिक बंधु उपाध्यक्ष कप्तान महेंद्र सिंह अखिल भारतीय पूर्व सैनिक सेवा परिषद के सूबेदार मेजर आसाराम दो हरे कैप्टन गंगा रामपाल सूबेदार रूप रामपाल सूबेदार अयोध्या प्रसाद सूबेदार प्रकाश प्रजापति एसीपी नायक सूबेदार दशरथ पाल नायक शिव शंकर सिंह सूबेदार बलराम पाल हवलदार रामकुमार पूर्व सैनिक जयदेव सिंह यादव पूर्व सैनिक जितेंद्र सिंह यादव सूबेदार भूर सिंह चौहान तथा पूर्व सैनिक वेलफेयर एसोसिएशन के अध्यक्ष कैप्टन अखिलेश कुमार एवं उनकी टीम के सदस्यों ने दिवंगत आत्मा को अश्रु पूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित की इस अवसर पर क्षेत्र के लगभग 5000 लोगों का जन सैलाब था हम भगवान से प्रार्थना करते हैं कि दिवंगत आत्मा को अपने श्री चरणों में स्थान दें एवं परिवार को इस अपूरणीय क्षति को सहन करने का साहस प्रदान करें।

आईजीआरएस बैठक मे शिकायतों का निस्तारण न होने के डीएम ने जताई नाराजगी

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। शुक्रवार को आईजीआरएस की बैठक जिलाधिकारी चन्द्र विजय सिंह की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में सम्पन्न हुई।इस मौके पर जिलाधिकारी ने पाया कि 165 शिकायतों का समय पर निस्तारित न होने के कारण लम्बितध डिफाल्ट श्रेणी में आ गयी है जिस पर जिलाधिकारी ने कड़ी नाराजगी व्यक्त करते हुये।जिसके चलते वहां पर मौजूद सम्बंधित विभागाध्यक्षों को सख्त निर्देश दिये कि प्राथमिकता के आधार पर शिकायतों का गुणवत्तापरख निस्तारण तत्काल किया जाए।इसके साथ ही समस्त विभागाध्यक्ष अपने–अपने पोर्टल की नियमित लॉगिन कर उस पर प्राप्त हो रहे विभिन्न माध्यमों के सन्दर्भो की मार्किंग कर जांच कराते हुए आवेदक को सुनकर आख्या अपलोड करायें।उन्होंने कहा कि आईजीआरएस पर सन्दर्भ प्राप्त होने की तिथि से 07 दिवस तक की अधीनस्थ अधिकारी को अग्रसारित किए जा सकेगें।उक्त अवधि के उपरान्त ऐसे सन्दर्भ को सम्बन्धित अधिकारी अधीनस्थों से अन्य माध्यमों (ई–मेल, वाट्सऐप आदि) से आख्या प्राप्त की जायेगी और आवश्यक कार्यवाही के उपरान्त अपने स्तर से अपलोड की जायेगी।

जिलाधिकारी ने कहा कि आई0जी0आर0एस0 पर जिस प्रकरण में शिकायतकर्ता की शिकायत का निस्तारण हो जाता है।आख्या अपलोड करते समय उसके ड्रॉपडाउन में कई विकल्प प्रदर्शित होंगे यथा क्या राजस्व अधिकारीध्कर्मचारी द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया गया है? जनपद, तहसील, ग्राम, गाटा संख्या, खतौनी का विवरण, क्या निस्तारण स्थल पर शिकायतकर्ता से सम्पर्क किया गया है, यदि नहीं तो किससे सम्पर्क हुआ, आदि प्रदर्शित होंगे। ऐसे प्रकरणों में जो भी कार्यवाही की गयी है, उसे पूर्ण विवरण के साथ आख्या अपलोड कराया जाय। फीडबैक के माध्यम से प्राप्त सन्दर्भ जो (रिपोर्ट में जाकर प्राप्त फीडबैक) में देखना होता है, को नियमित रूप से सर्च कराया जाय और यदि एल–2 व एल–3 स्तर के अधिकारी के पास निर्णयार्थ (अनमार्कध्अनुमोदन हेतु लंबित है), तो सम्बन्धित से समन्वय स्थापित कर यथोचित निराकरण कराया जाय। जांच के दौरान 02 स्वतंत्र गवाह के हस्ताक्षर कराएं और स्थल का फोटोग्राफ, स्पाट मेमो एवं नजरी नक्शा संलग्न कराया जाय। निस्तारण आख्या अपलोड कराते समय ड्रॉपडाउन में प्रदर्शित उचित विकल्पों का चयन कर आख्या अपलोड करायी जाय। इस मौके पर जिलाधिकारी ने निर्देशित करते हुये जिला पूर्ति अधिकारी,जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी,जिला कार्यक्रम अधिकारी,मुख्य चिकित्साधिकारी, परियोजना निदेशक, जिला ग्राम्य विकास अभिकरण, समस्त अधिशाषी अभियन्ता, विद्युत आदि विभिन्न विभागों के समस्त अधिशाषी अभियन्ता आदि विभाग नियमित मॉनिटरिंग कर अपने–अपने अधीनस्थों से प्रकरणों को नियत समय सीमा के भीतर निस्तारण करायें। अधीनस्थों द्वारा जानबूझकर आख्या खराब दिये जाने पर सम्बन्धित का उत्तरदायित्व निर्धारित कर उचित कार्यवाही की जाय।इस मौके पर एसएसपी राज करन नय्यर,मुख्य विकास अधिकारी ऋषिराज,सभी विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

भारतीय खाद्य निगम अनुसूचित जाति जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ का 14वां राष्ट्रीय सम्मेलन आयोजित

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। राज्य सचिव मूल चंद्र दिवाकर ने बताया कि भारतीय खाद्य निगम अनुसूचित जाति जनजाति कर्मचारी कल्याण संघ का 14वां राष्ट्रीय सम्मेलन का आयोजन अंतरराष्ट्रीय बौद्ध शोध संस्थान लखनऊ उत्तर प्रदेश के सभागार में किया जा रहा है। यह आयोजन राज्य कमेटी उत्तर प्रदेश द्वारा आयोजित किया गया है जिसका नेतृत्व राष्ट्रीय सचिव रघुराज सिंह एवं राष्ट्रीय अध्यक्ष पवन कुमार के द्वारा संयोजित किया गया है। इसके मुख्य अतिथि फगन सिंह कुलस्ते मेंबर ऑफ पार्लियामेंट ,चेयरमैन ऑफ पार्लियामेंट कमेटी तथा मेंबर ऑफ एससी एसटी भारत सरकार, फिरिट प्रेमजी भाई सोलंकी नेशनल प्रेसिडेंट उड़ान तथा मेंबर ऑफ पार्लियामेंट अहमदाबाद वेस्ट पैनल स्पीकर लोकसभा एवं अध्यक्ष पार्लियामेंट कमिटी ऑन मेंबर ऑफ एससी एसटी, अंजू वाला नेशनल प्रेसिडेंट उड़ान एक मेंबर ऑफ पार्लियामेंट व एससी एसटी कमिशन ने सभा को संबोधित किया।

एसडी मेमोरियल प्ले वे स्कूल, जाना बाजार में मना विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस

अयोध्या। एसडी मेमोरियल प्ले वे स्कूल जाना बाजार के उभरते युवा नेतृत्व ने 14 सितंबर को विश्व प्राथमिक चिकित्सा दिवस बड़े उत्साह के साथ मनाया। इस अवसर का इस कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जीवन रक्षा में प्राथमिक चिकित्सा के महत्व के बारे में जागरूकता फैलाना था। कार्यक्रम में छात्रों को प्राथमिक चिकित्सा की बुनियादी जानकारियाँ दी गईं। जिसमें आम चोटों का उपचार, आपातकालीन स्थितियों में त्वरित सहायता का महत्व और कट, जलन, और फ्रैक्चर जैसी स्थितियों से निपटने के तरीके शामिल थे।इस मौके पर प्रशिक्षित पेशेवरों द्वारा सीपीआर (कार्डियोपल्मोनरी रिससिटेशन) और प्राथमिक चिकित्सा किट का सही उपयोग करने जैसी आवश्यक जीवन रक्षक तकनीकों का प्रदर्शन किया गया।कार्यक्रम में स्कूल के प्रिंसिपल कौशल किशोर सिन्हा और प्ले ग्रुप की अध्यापिकाएँ रीना,आरती, और शिवानी पांडे उपस्थित थीं। यहां पर मौजूद शिक्षकों के मार्गदर्शन में छात्रों ने रोचक और इंटरैक्टिव गतिविधियों के माध्यम से व्यावहारिक ज्ञान प्राप्त किया।जिससे उन्हें आपातकालीन स्थितियों में आत्मविश्वास के साथ प्रतिक्रिया करने की क्षमता मिली। इस आयोजन ने छात्रों में दूसरों की मदद करने की जिम्मेदारी और सुरक्षा की भावना को मजबूत किया।कार्यक्रम में स्कूल के प्रिंसिपल कौशल किशोर सिन्हा और प्ले ग्रुप की शिक्षिकाओं में रीना,आरती, और शिवानी पांडे उपस्थित थीं।

श्री दुर्गा पूजा महा समिति की नवनिर्वाचित पदाधिकारियों का शपथ ग्रहण व सम्मान समारोह आज

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। आगामी दिनों में शुरू होने वाले शारदीय नवरात्र को लेकर श्री दुर्गा पूजा महासमिति जौनपुर की एक आवश्यक बैठक महासमिति के केंद्रीय कार्यालय नखास स्थित नव दुर्गा शिव मंदिर पर हुई। बैठक की अध्यक्षता अध्यक्ष अनिल कुमार अस्थाना ने किया ।अध्यक्ष ने सभी पूजन समितियां से निवेदन किया है की आगामी 15 सितम्बर 2024 को होटल रिवर व्यू में आयोजित पुरस्कार वितरण एवं शपथ ग्रहण समारोह में सम्मिलित होकर कार्यक्रम को सफल बनाने की अपील किया। समारोह में दुर्गा पूजा समितियां व अन्य सामाजिक संगठनों एवं संस्थाओं को पुरस्कृत किया जाएगा। जिसको लेकर नवनिर्वाचित अध्यक्ष मनीष देव मंगल ने विस्तृत जानकारी दी। इसी क्रम में महासमिति के नवनिर्वाचित अध्यक्ष मनीष देव मंगल व नवचयनित महासचिव मनीष गुप्ता सहित समस्त प्रबन्धकारिणी का शपथ ग्रहण समारोह संपन्न होगा। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि माननीय श्री कला धनंजय सिंह जिला पंचायत अध्यक्ष विशिष्ट अतिथि द्वय श्रीमती मनोरमा मौर्य अध्यक्ष नगर पालिका परिषद जौनपुर एवं वरिष्ठ समाजसेवी ज्ञान प्रकाश सिंह जी होंगे।कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए राम प्रकाश यादव गणेश साहू राम रतन विश्वकर्मा रवि शर्मा विष्णु गुप्ता आशीष त्रिपाठी चंद्रशेखर गुप्ता विश्व प्रकाश श्रीवास्तव आदि ने अपने विचार सदन में रखें। बैठक का सफल संचालन नव चयनित महासचिव मनीष गुप्ता ने किया।इस दौरान बैठक में गौरव श्रीवास्तव अमित गुप्ता संदीप जायसवाल राजन अग्रहरि शैलेंद्र मिश्रा आशीष रावत,ज्ञानेंद्र दुबे ,अभिषेक अग्रहरी अनित सिंह विवेक जायसवाल यश गुप्ता आदि महासमिति के समस्त पदाधिकारी उपस्थित रहे। अंत में सभी के प्रति आभार महासचिव राहुल पाठक में व्यक्त किया।

हिंदुस्तान की पहचान है भाषा हिंदी- कवि मोही

रिपोर्ट जय प्रकाश तिवारी

सुजानगंज/जौनपुर। क्षेत्र के रघुवीर महाविद्यालय थलोई, भिखारीपुर कला में हिंदी दिवस पर आयोजित हिंदी दिवस बाल कवि सम्मेलन में सर्वप्रथम महाविद्यालय के निदेशक डॉ0 विनय कुमार त्रिपाठी ने सभी बाल कवियों को बाल कवि सम्मान से सम्मानित किया। कार्यक्रम में बाल कवियों ने अपनी कविताओं से लोगों को मन्त्र मुग्ध कर दिया। देशप्रेम, श्रृंगार एवं हास्य जैसे रसों से ओतप्रोत कविताओं का श्रेष्ठतम प्रदर्शन बाल कवियों द्वारा किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि कवि अमरनाथ सिंह मोही जी ने कहा कि हिंदी दिवस पर इस तरह के कार्यक्रमों से समाज के जन जन में हिंदी के प्रति प्रेम बढ़ेगा। आज पूरे हिंदुस्तान की पहचान हिंदी है । बाल कवियों में पूनम, लक्ष्मी, प्रियंका, यासमीन, श्रीजल, काजल, साक्षी, रागिनी, रोहित, श्रद्धा, शिवानी, आदि ने अपनी कविताएं प्रस्तुत की। कार्यक्रम की अध्यक्षता कवि रमाराम पांडेय निराला ने किया। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ0 अवधेश कुमार श्रीवास्तव ने आए हुए अतिथियों का आभार ज्ञापन किया। कार्यक्रम का संचालन महाविद्यालय की छात्राएं रागिनी, दीक्षा ने किया। इस अवसर पर डॉ0 नागेंद्र यादव, डॉ0 संजू शुक्ला, डॉ0 सोहनलाल, प्रीति वर्मा, रजनी, रवि कुमार आदि प्राध्यापकों के साथ सभी छात्र–छात्राएं उपस्थित रहे।

कुव्यवस्था का शिकार आंझी शाहाबाद रेलवे स्टेशन, बुकिंग क्लर्क बना परेशानी का सबब

हरदोई। जिला हरदोई की तहसील शाहाबाद का एक मात्र आंझी शाहाबाद रेलवे स्टेशन जहाँ पर कई बड़ी ट्रेनों का ठहराव होता है, जहाँ पर रोज हजारों मुसाफिर हर रोज सफर करते हैं। जिसमे नौकरी पेशा महिलाएं का भी आवागमन होता है । उन महिलाओं को बहुत ही दिक्कतों का सामना करना पड़ता है।आंझी शाहाबाद का रेलवे स्टेशन पर बुकिंग क्लर्क तत्काल रिजर्वेशन के लिए आने वाले यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बन गया है।

यात्रियों का आरोप है कि बुकिंग क्लर्क बालक राम शाहजहाँपुर, हरदोई आदि समीपवर्ती जिलों के दलालों को सुबह सुबह टोकन बांटकर आम यात्रियों के लिए परेशानी का सबब बना हुआ है। आम यात्रियों को तत्काल रिजर्वेशन का फार्म देने में भी टाल मटोल करता देखा जा सकता है। आज भी जब उसने दो चहेते लोगों को तत्काल रिजर्वेशन फार्म दे दिये तो वहीं खड़े कई

यात्रियों न केवल विरोध प्रतिरोध किया वरन रेलवे अधिकारियों से अपनी शिकायत दर्ज कराई। रेलवे सी एम आई ने स्टेशन मास्टर को फोन करके यात्रियों को तत्काल रिजर्वेशन फार्म दिलवाये तब जाकर माहौल शांत हुआ। दिलेरगंज के श्याम जी गुप्ता ने अनारक्षित टिकट वितरण होने वाली धांधली की शिकायत दर्ज कराई। अम्बरीष कुमार सक्सेना ने रेलवे के 139 नम्बर पर अपनी शिकायत दर्ज कराते हुए कार्यवाही की मांग की। इस संबंध में जब आंझी शाहाबाद रेलवे स्टेशन के स्टेशन मास्टर उपेंद्र वर्मा से बात की गई तो उन्होंने बताया कि आंझी शाहाबाद रेलवे स्टेशन पर कोई समस्या नहीं है। तत्काल रिजर्वेशन के लिए प्रातः 09 बजे से फार्म वितरित किये जाते हैं। परंतु यात्री सुबह तड़के से ही आ जाते हैं। हरदोई एवं शाहजहाँपुर से आने वाले लोग भी अनावश्यक भीड़ बढ़ा देते हैं। वरना यहाँ यात्रियों की सुविधाओं का पूरा ध्यान रखा जाता है।फिलहाल रेलवे के उच्चाधिकारियों ने शिकायतकर्ताओं को दूरभाष पर आश्वस्त किया है कि शिकायतें दर्ज कर ली गईं हैं और उन्हें कार्यवाही के लिए संबंधित अधिकारियों को भेजा जा रहा है।

नार्थ सेंट्रल जोन इन्श्योरेन्स इम्प्लाइज फेडरेशन का 30 वां प्रांतीय सम्मेलन शुरू

(डॉ अजय तिवारी
जिला संवाददाता)

अयोध्या। नार्थ सेन्ट्रल जोन इन्श्योरेंस इम्पलाइज फेडरेशन का 30वां प्रांतीय सम्मेलन की शुरुआत बीमा कर्मचारी संघ कार्यालय से करीब 500 डेलीगेट्स व प्रगतिशील संगठन के साथियों द्वारा, इंकलाब– जिंदाबाद, हमारी लड़ाई जिंदाबाद, हमारी एकता, जिंदाबाद, साझी शहादत ,साझी विरासत जिंदाबाद, साम्राज्य वाद मुर्दाबाद,तेरी तानाशाही नही चलेगी,बीमा से जीएसटी वापस लो,पुरानी पेंशन बहाल करो,बेरोजगारों को काम दो,निजीकरण धोखा है,निजीकरण नही चलेगा,हमारी एकजुटता जिंदाबाद,अभी तो ये अंगड़ाई है,आगे और लड़ाई ही।हर जोर जुल्म के टक्कर में,संघर्ष हमारा नारा है आदि क्रांतिकारी गगन भेदी नारा लगाते हुए प्रदेश अध्यक्ष कॉम संजीव शर्मा व सचिव कॉम राजीव निगम व बीमा कर्मचारी संघ फैजाबाद डिवीजन के सचिव कॉम रविशंकर चतुर्वेदी व अध्यक्ष कॉम आरडी आनंद के नेतृत्व में लाल झंडे से लैस जुलूस निकाला गया।रैली को जलकल आफिस के सामने शहीद भगतसिंह स्मृति ट्रस्ट,बीएसएनएल यूनियन,आयकर कमर्चारी संघ के साथियों ने फूल वर्षा करके स्वागत किया।मार्च क्रिनाशको होटल में पहुचा वहां पर संगठन का झंडा रोहण प्रदेश अध्यक्ष कॉम संजीव शर्मा ने किया।उसके बाद शहीद वेदी पर श्रधांजलि अर्पित किया गया और उसी समय मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव व वामपंथी योद्धा को श्रद्धाजलि अर्पित किया गया।खुला सत्र शुरू स्वागत समिति के चेयरमैन डाक्टर अनिल कुमार सिंह ने सभी अतिथियों का स्वागत भाषण से किया। उसके AIIEA के राष्ट्रीय महासचिव व मुख्यवक्ता कॉम श्रीकांत मिश्रा ने कहा कि NCZIEF का यह 30वां सम्मेलन आइये हम एक हो,और अच्छे समाज व सुनहरे भविष्य के लिए आगे बढ़े

नारे के साथ सम्मेलन हो रहा है। उन्होंने कहा कि आज के दौर में भारत सरकार की तमाम नीतियों के बावजूद यदि एल आई सी का सार्वजनिक स्वरूप सुरक्षित रह सका है तो पूरे देश के पैमाने पर AIIEA का ही संघर्ष है।सत्तासीन दल बीजेपी और उसके नेतृत्व वाली सरकार की विभाजनकारी और कारपोरेट व पूंजीपरस्त नीतियों के खिलाफ जनता और वर्किंग क्लास को एकजुट रखते हुए संघर्ष को आगे ले जाने की चुनौती भी हमारे सामने है।और राम की इस नगरी में रामराज्य के समावेशी विकास की परिकल्पना के हिसाब से नीतियों के निर्माण और हिंदुस्तान की गंगा जमुनी तहजीब की रक्षा की चुनौती भी इस अधिवेशन के सामने है।उन्होंने कहा कि 2014 से लेकर अब तक सरकारी कलकारखानों को बेचा जा रहा है।सरकारी संस्थानों को बेचा जा रहा है सपब यूनियन के संघर्ष के चलते बहुत सारी गलत नीतियों को लागू करने से संघर्ष ने रोका।नए रोजगार अवसर को खत्म किया जा रहा रहा है।सरकार है, हमारी सरकार विकास का हवाला देते हुए राष्ट्रीयकृत उद्योगों को निजीकरण करते हुए देश को विनाश की राह पर ले जाने की कोशिश कर रही है, बैंक हो, एलआईसी हो या जनरल इंश्योरेंस हो उनका भी निजीकरण करते हुए देश को बर्बाद करने के लिए सरकार तुली हुई है, इस निजीकरण के मुहिम के खिलाफ हमारे संघर्ष की रूपरेखा क्या होगा यह सम्मेलन तय करेगा, AIIEA के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष,कॉम अमान उल्लाह खान ने कहा कि देश के सामने सबसे बड़ा मुद्दा है बेरोजगारी का है। पिछले 45 सालों में बेरोजगारी का आलम इतना बुरा नहीं था जितना आज है, पूरे पैमाने पर उत्तर प्रदेश एक ऐसा राज्य है जहां 40 हजार पुलिस कर्मियों की भर्ती के लिए 48 लाख बेरोजगार अप्लाई करते हैं, परीक्षा में बैठने के बाद पेपर लीक हो जाता है और जब दोबारा परीक्षा होती है ऐसा कहा जाता है जैसे पूरी बेरोजगारी खत्म हो गई, बेरोजगारी को खत्म करने के लिए वैश्वीकरण और निजीकरण खिलाफ हम लोग संघर्ष की रूपरेखा तय करेंगे, सबसे बड़ी बात है यह तीसरा सम्मेलन रामनगरी अयोध्या में हो रहा है।

साथियों हम सबको एकजुट होकर श्रम विरोधी सरकार की नीतियों के खिलाफ एकजुट होकर लड़ने के लिए तैयार रखना होगा। कार्यक्रम में प्रांतीय नेता कॉम राकेश कनोजिया, कॉम आरडी आनंद,कॉम रविशंकर चतुर्वेदी,रिसेप्शन कमेटी के चेयरमैन डाक्टर अनिल कुमार सिंह,सदस्य व बीएसएनएल यूनियन के अध्यक्ष कॉम तिलकराज तिवारी,सदस्य व शहीद भगतसिंह स्मृति ट्रस्ट के चेयरमैन सत्यभान सिंह जनवादी,जनवादी लेखक संघ के अखिलेश सिंह,जेपी श्रीवास्तव,पूजा श्रीवास्तव,महावीर पल,रामजी तिवारी,शहीद शोध संस्थान के प्रबंधक सूर्यकांत पांडेय जी,देवकुमार मिश्रा,सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे सीएम पांडेय,कॉम संजीव सिंह,कॉम बलदेव सहित कई साथी मौजूद रहे।

हिंदी है भारत की आशा, हिंदी है भारत की भाषा

हरदोई (अम्बरीष कुमार सक्सेना) जिले में शैक्षणिक संस्थानों, संगठनो व संस्थाओं में हिन्दी दिवस मनाया गया।भारतीय संस्कृति और भाषा के समृद्ध इतिहास को मनाने के लिए हर साल १४ सितंबर को हिंदी दिवस के रूप में मनाया जाता है इस दिन का मुख्य उद्देश्य हिंदी भाषा के प्रति जागरूकता बढ़ाना और इसे बढ़ावा देना है हिंदी न केवल भारत के विभिन्न हिस्सों में बोली जाती है बल्कि इसे विश्व के अनेक देशों में भी अपनाया गया है । इस मौके पर मंगली पुरवा स्थित श्री डाल सिंह मेमोरियल स्कूल में आज हिंदी दिवस पर सुलेख प्रतियोगिता व स्लोगन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया जिसमें बच्चों ने बढ़कर का प्रतिभाग किया। खास बात यह रही की हिंदी के प्रचार प्रसार के लिए शिक्षिकाओं ने भी सुलेख प्रतियोगिता में भाग लेकर सभी से हिंदी को अपने जीवन में उतरने की अपील की।इस अवसर पर विद्यालय के व्यवस्थापक अखिलेश सिंह ने हिंदी दिवस के अवसर पर बताते हुए कहा है कि हिंदी सिर्फ एक भाषा ही नहीं बल्कि एक भाव है जिसके जरिए पूरा देश एक– दूसरे से जुड़ा हुआ है । इसकी वजह से पूरा भारत एक सूत्र में बंधा हुआ है ऐसे में हर कोई अपनी आन– बान और शान हिंदी भाषा को समर्पित इस दिन का जश्न मान रहा है तथा अपने शब्दों को कुछ पंक्तियों के माध्यम से बताते हुए कहा है कि हिंदी पढ़ना और पढ़ना हमारा कर्तव्य है उसे हम सबको अपनाना है।

प्रबंधक मुकेश सिंह ने बताते हुए कहा कि १४ सितंबर १९४९ को भारतीय संविधान में हिंदी भाषा को राजभाषा का दर्जा दिया गया था ।इस दिन हिंदी को भारत की आधिकारिक भाषा के तौर पर मान्यता दी गई थी साथ ही से आधिकारिक भाषा भी घोषित किया गया था। हिंदी दिवस के अवसर पर विद्यालय में आयोजित सुलेख प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में प्रथम स्थान आयुषी वर्मा , द्वितीय स्थान अवंतिका सिंह तथा तृतीय स्थान काव्य शुक्ला ने प्राप्त किया। सीनियर वर्ग में शिवांशी वर्मा ने प्रथम स्थान , जिज्ञासा ने द्वितीय स्थान तथा हर्षिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। स्लोगन प्रतियोगिता में जूनियर वर्ग में अंशिका सिंह प्रथम स्थान, अनन्या गुप्ता द्वितीय स्थान तथा समृद्धि तृतीय स्थान पर रहीं।

सीनियर वर्ग में अनुकर्ष पाल प्रथम स्थान , शिवांशी व शिवांगी द्वितीय स्थान तथा अदिति तृतीय स्थान पर रहीं। इस अवसर पर विद्यालय की प्रधानाचार्य लक्ष्मी देवी शिक्षिका कविता गुप्ता, अर्पिता सिंह , विनीता त्रिवेदी ,नीलम राठौर ,ऐश्वर्या सिंह, , शशिबाला, पूनम सिंह,पूजा सिंह,आकांक्षा गुप्ता ,आरती वर्मा , क्षमा सिंह,रिचा मिश्रा,प्रज्ञा द्विवेदी, शिक्षक रामप्रकाश पांडेय, अशोक कुमार गुप्ता , उदय शुक्ला, देवेश प्रसाद आदि मौजूद रहे । सरस्वती सदन में भी हिंदी दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित हुए।

गणेश पूजनोत्सव पंडाल नरहरपुर में उमड़ीं भक्तों की भीड़

रिपोर्ट जय प्रकाश तिवारी

सुजानगंज। स्थानीय क्षेत्र के नरहरपुर में आयोजित श्री गणेश पूजनोत्सव पंडाल में सांतवे दिन भजन संध्या कार्यक्रम आयोजित किया गया, जहा लोकगीत गायक भागीरथी सुजान के द्वारा तमाम भजन प्रस्तुत किया जिसको सुनकर भक्त झूम उठे, इस दौरान कार्यक्रम में भक्तों की भारी भीड़ देखने को मिली। कार्यक्रम संयोजक डा विजय चौबे ने बताया कि यह कार्यक्रम विगत पांच वर्षों से आयोजित किया जा रहा है, तथा सभी ग्राम वासियों द्वारा इस कार्यक्रम को पूरे हर्सोल्लास के साथ मनाया जाता है।

कार्यक्रम में कार्यक्रम सह संयोजक तरुण चौबे, श्याम शंकर पाण्डेय, डॉ विनय कुमार त्रिपाठी, भोला नाथ मिश्र भाजपा नेता, कमला शंकर पूर्व प्रधान, राजकुमार चौबे सहित क्षेत्र के सैकड़ों लोग उपस्थित रहे।

लोहिया संस्थान का 1000 बेड का नया अस्पताल शुरू होगा

लखनऊ, संवाददाता। लोहिया संस्थान में मरीजों का भार ज्यादा है। सभी को भर्ती करना आसान नहीं है। ऐसे में संस्थान प्रशासन ने शहीद पथ पर एक हजार बेड का नया अस्पताल शुरू करने का खाका तैयार किया है। शासन से प्रस्ताव पर अंतिम मुहर लगनी है। इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में शुक्रवार को लोहिया संस्थान के चौथे स्थापना दिवस पर निदेशक प्रो. सीएम सिंह ने ये बातें कहीं। उन्होंने कहा कि नए अस्पताल में ऐसे विभाग खोले जाएंगे, जो अभी संस्थान में नहीं हैं। मौजूदा समय में 1300 बेडों पर मरीज भर्ती हो रहे हैं। संस्थान में 31 विभाग हैं। ओपीडी में एक साल में करीब नौ लाख मरीज देखे गए।

50 हजार को भर्ती कर इलाज दिया गया। प्रो. सिंह ने कहा कि कैंसर मरीजों को दवा, रेडियोथेरेपी व सर्जरी से इलाज मुहैया कराया जा रहा है। डे–केयर में भर्ती कर कीमोथेरेपी दी जा रही है। एक साल में 12 हजार कैंसर मरीजों को कीमोथेरेपी दी गई, जबकि 200 किडनी ट्रांसप्लांट किए गए। मरीजों को 50 हजार यूनिट खून मुहैया कराया गया।

न्यूरो साइंस सेंटर होगा शुरू, गामा नाइफ लगेगी

निदेशक ने बताया कि सिर की बीमारी से ग्रस्त मरीजों के लिए एक से दो माह में संस्थान में न्यूरो साइंस सेंटर शुरू होगा। इसकी तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। साथ ही गामा नाइफ मशीन भी लगाई जाएगी। संस्थान में रोबोटिक सर्जरी भी शुरू होगी। रोबोट खरीदने के लिए सरकार ने बजट भी उपलब्ध करा दिया है।

संक्षिप्त खबरें

सरिया चोरी करते एक को पकड़ा, लोडर बरामद

कानपुर, संवाददाता। फैक्टरी से सरिया चोरी करते समय ग्रामीणों ने एक चोर को पकड़ लिया। पुलिस ने पूछताछ की तो उसने बताया कि उसके तीन साथी मौके से भाग निकले। पुलिस को लोडर में लदीं सरिया मिलीं। आरोपी को जेल भेजा गया है। नोएडा के महागुन माईमाउंड निवासी फैक्टरी के प्रोजेक्ट मैनेजर विनोद कुमार ने तहरीर दी। बताया कि हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के तेगापुर गांव के पास जल जीवन मिशन के तहत फैक्टरी संचालित हैं। आरोप है कि बुधवार रात निंदेमऊ निवासी अजीत सिंह, तेगापुर निवासी कुलदीप, अजीत सिंह, हसनगंज कस्बा निवासी गार्ड हरिओम सिंह काम के लिए आई ढाई क्विंटल सरिया चोरी लोडर में लादकर ले जा रहे थे। तभी अन्य कर्मचारियों ने ग्रामीणों की मदद से लोडर लदी सरिया के साथ अजीत सिंह को पकड़कर पुलिस को सौंपा। शेष आरोपी भाग निकले। कोतवाल चंद्रकांत मिश्र ने बताया कि आरोपी को जेल भेजा गया है। तीन चोर फरार हैं। उनकी गिरफ्तारी के प्रयास किए जा रहे हैं।

इलेक्ट्रिक बस के चालक और परिचालकों ने की हड़ताल

आगरा, संवाददाता। आगरा के फाउंड्री नगर में इलेक्ट्रिक बस के चालकों ने तीन महीने से सैलरी नहीं मिलने पर शुक्रवार सुबह 4 से गेट पर बैठकर हड़ताल कर दी। आक्रोशित चालकों ने निजी कंपनी के हाय हाय व मांगे पूरी करो के नारे लगाए। मौके पर पुलिस पहुंच गई। उन्हें समझाने का प्रयास किया जा रहा है। कृष्ण मुरारी व सर्वेश कुमार ने बताया कि तीन माह से वेतन नहीं मिल रहा हैं। इस वजह से घर में राशन का सामान भी खत्म हो गया है। बच्चों की फीस भी नहीं भरी गई हैं। आरोप है 48 घंटे की तेज बारिश में बसे खराब हुईं हैं। मेंटेनेंस का पैसा रुपया चालकों से वसूला जाएगा। वहीं दूसरी ओर पिछले दो वर्षों से उनका वेतन नहीं बढ़ाया गया हैं। इसकी शिकायत कई बार कंपनी के उच्च आधिकारियों व एसडीएम से लेकर मंडलायुक्त तक की गई है, लेकिन कोई सुनवाई नहीं हुई है। आरोप लगाया यदि कोई आवाज उठाता है तो उसे नौकरी से निकाल दिया जाता है। इस दौरान अमर सिंह राठौर, सुरेंद्र, हरिओम, राजीव, बलबीर, नरेश व सैकड़ों, चालक मौजूद रहें।

युवक की सांप के काटने से मौत

आगरा, संवाददाता। आगरा के थाना खेरागढ़ के गांव बसई खैरागढ़ में शुक्रवार सुबह एक युवक की सांप के काटने से मौत हो गई। परिवार के लोगों का कहना है कि वह पार्वती नदी में आई बाढ़ को देखने के लिए गया हुआ था। तभी उसे सांप ने काट लिया। घर वाले अस्पताल लेकर पहुंचे। मगर, तब तक उसकी मौत हो गई। बसई खेरागढ़ निवासी महेश कुमार ने बताया कि नाती मजदूरी करता था। बंटी के चार बेटी और एक बेटा है। मां माया और दो भाई छोटे हैं। बंटी सुबह 7:00 बजे घर से पार्वती नदी में आई बाढ़ को देखने के लिए गया था। 1 घंटे बाद घर लौट कर आया तो बताया कि कंधे पर उसे सांप ने काट लिया है। उसकी हालत बिगड़ने लगी।

युवक ने पिता की लाइसेंसी बंदूक से खुद को मारी गोली

कानपुर, संवाददाता। कानपुर के घाटमपुर में सजेती थाना क्षेत्र के जल्ला गांव में शराब के नशे में धुत युवक ने आत्महत्या कर ली। उसने पिता की लाइसेंसी बंदूक से खुद को गोली मार ली, जिससे उसकी मौके पर मौत हो गई। पुलिस मामले की जांच–पड़ताल कर रही है। परिजनों के अनुसार युवक शराब का लती था। गांव निवासी अरविंद सिंह (35) शुक्रवार की सुबह जल्दी एक बोरी में गेहूं भरकर बेचने को घर से निकला था। गेहूं बेचने से मिले पैसों से उसने शराब पी और घर लौट आया। इसी दौरान उसने घर में टंगी पिता लाल सिंह की दोनाली बंदूक से खुद को गोली मार ली।

किसानों की करोड़ों की जमीन हड़पने वाला आरोपी गिरफ्तार

लखनऊ, संवाददाता। किसानों की करोड़ों की जमीन अपने नाम कराने के आरोपी प्रॉपर्टी डीलर को मोहनलालगंज पुलिस ने बृहस्पतिवार देर शाम गोमतीनगर के हुसड़िया चौराहे से गिरफ्तार कर लिया। आरोपी फर्जी चेक देकर ठगी करता था। इसके साथियों की तलाश की जा रही है। इंस्पेक्टर मोहनलालगंज आलोक राव के मुताबिक गिरफ्तार आरोपी प्रयागराज का संस्कार पांडेय है। आरोपी के खिलाफ विभिन्न थानों में छह मुकदमे दर्ज हैं। आरोपी पर दिसंबर–2023 में बीबीडी के जगदीश, बीती मई में गोमतीनगर विस्तार के कन्हैया और बीते वर्ष अलीगढ़ के केएस चौहान ने एफआईआर दर्ज कराई थी।

दहेज हत्या में पति सहित पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

कानपुर, संवाददाता। दहेज हत्या में पुलिस ने पति सहित पांच लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया। आठ सितंबर को महिला को फंदे पर लटका कर मारने का आरोप परिजनों ने लगाया है। जनपद शाहजहांपुर कोतवाली जलालाबाद गांव आमखेड़ा निवासी मूलचंद्र ने शमसाबाद थाना क्षेत्र के गांव संतोषपुर निवासी पति हरिओम, ससुर नन्हेलाल, सास बेबी देवी, ननद नीलम देवी, ताऊ राजेश पाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। इसमें बताया कि 5 मई 2023 को पुत्री मधुबाला की शादी हरिओम के साथ धूमधाम से की थी।

एटीएम से चोरी का प्रयास करने वाला गिरफ्तार हुआ

कानपुर, संवाददाता। दो दिन पहले मेडिकल कॉलेज व हैंवरा में एटीएम क्षतिग्रस्त करके रकम चुराने का प्रयास करने वाले को पुलिस ने दबोच लिया। उसके पास से एटीएम तोड़ने के उपकरण भी बरामद हुए। कार्रवाई के बाद आरोपी को जेल भेज दिया। प्रभारी निरीक्षक अलमा अहिरवार ने बताया कि मेडिकल कॉलेज के प्रशासनिक भवन के पास बैंक आफ इंडिया की शाखा में एटीएम लगा हुआ है। इसका रखरखाव हिताची कंपनी करती है। 10 सितंबर को इस एटीएम में कार्ड लगाने वाले शटर व बोल्ट का दरवाजा क्षतिग्रस्त कर दिया गया, इससे रकम चुराने का भरसक प्रयास किया गया। इस बात की जानकारी होने पर कंपनी की ओर से अधिवक्ता अनूप कुमार ने रिपोर्ट दर्ज कराई। मेडिकल कॉलेज की पीजीआई चौकी प्रभारी मोहनवीर सिंह टीम के साथ आरोपी की तलाश में जुटे हुए थे। बुधवार रात पौने तीन बजे सैफई किसान बाजार घंटाघर गेट के पास से मैनपुरी के थाना कुर्रा क्षेत्र में गांव पलिया निवासी श्यामवीर सिंह को पकड़ा गया। आरोपी के पास से पेचकस, प्लास, चाकू और मोबाइल फोन बरामद हुआ। पूछताछ में उसने बताया कि दो दिन पहले इस एटीएम के साथ हैंवरा में भी एसबीआई के एटीएम से रकम चुराने का प्रयास किया था। रात में फिर चोरी की फिराक में आया था, लेकिन पकड़ा गया।

लूट,रेप जैसे अन्य आपराधिक घटनाओं से कराह रही राम नगरी

–कोई ही ऐसा दिन न हो जब न हो जिले में आपराधिक घटनाएं।

–घटनाओं का खुलासा कर अपराधियों को पुलिस कर रही गिरफ्तार – एसपी सिटी

अयोध्या। लूट, हत्या, रेप, अपहरण, छिनैती सहित अन्य आपराधिक घटनाओं से राम नगरी कराह रही है। आये दिन किसी न किसी थाना क्षेत्रों में इस तरह की आपराधिक घटनाएं हो रही है।जिसके चलते राम नगरी के लोग अपने को असुरक्षित महसूस कर रहे हैं। बताते चलें कि केवल अगस्त व सितंबर महीने में अब तक कोई ही ऐसा दिन हो जिस दिन जिले के किसी न किसी थाना क्षेत्र में कोई न कोई आपराधिक घटना न घटे। पुलिस के आंकड़ों के मुताबिक अगर देखा जाए तो इस समय सबसे ज्यादा लूट, बलात्कार, अपहरण व हत्या की सबसे अधिक मामले आ रहे हैं।वही कुछ मामलों को पुलिस दबा ले रही है जो खुलकर सामने ही नहीं आ रही है।वही जो पुलिस थानों पर मुकदमा दर्ज भी कर रही है।वह घटना के तुरंत बाद नहीं दर्ज होती है। पुलिस की काफी किरकिरी होने पर व पुलिस अधिकारियों के दबाव में आने पर पुलिस तब कहीं थानों पर मुकदमा दर्ज करती है।कुल मिलाकर पुलिस जिले में तेजी से बढ़ रही अपराधों पर अंकुश लगाने में विफल दिखाई दे रही है।इसे संज्ञान में लेते हुए जिले के एसएसपी राज करन नय्यर ने पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई किया है परन्तु जिले में अपराध बढ़ने के सिवाय घट नहीं रहा है।जो पुलिस के कार्यशैली पर प्रश्न चिन्ह लगा रही है। जिले के एसएसपी राज करन नय्यर ने लापरवाही बरतने वाले पुलिस कर्मियों को या तो पुलिस लाइन का रास्ता दिखा दिया है या फिर निलंबन की कार्रवाई किया है।परंतु जिले की शिथिल पुलिस है कि सुधरने का नाम ही नहीं ले रही है। यहां तक कि अभी कुछ दिनों पहले पुलिस पर यह भी आरोप लगा कि आज ही नहीं पहले भी जो अपराध हुए वे सभी स्थानीय थानाध्यक्ष व प्रभारी निरीक्षक के साथ साथ चौकी प्रभारी की मदद से हुए है।जिसे गंभीरता से लेते हुए एसएसपी राज करन नय्यर ने इस तरह के मामले में लिप्त पाए गए पुलिस कर्मियों पर कार्रवाई भी किया।देखा जो पिछले दो महीनों में थाना कैंट, पूरा कलंदर, महराजगंज ,रौनाही, खंडासा, कुमारगंज, रुदौली, हैदरगंज ,तारुन, गौशाईगंज, बीकापुर, अयोध्या, राम जन्मभूमि,बाबा बाजार, पटरंगा, कोतवाली नगर क्षेत्र में लूट, हत्या, बलात्कार सहित कई आपराधिक घटनाओं की बाढ़ सी आ गई।जिसके चलते राम नगरी के लोगों ने जिले के पुलिस के कार्यशैली पर सवाल खड़े कर दिए कि पुलिस निष्क्रियता के चलते आज जिले में आपराधिक घटनाओं में बढ़ोतरी हुई है।जिसका खामियाजा राम नगरी की जनता भुगत रही है।वही जिले की पुलिस वाहन चेकिंग के नाम पर जनता से पैसे वसूलने में जुटी हुई है।इस संबंध में एसपी सिटी मधुबन कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस द्वारा जिले में आपराधिक घटनाओं पर काफी अंकुश लगाया गया है।जो भी घटनाएं हो रही है और खुलासा भी पुलिस कर रही है। इसमें शामिल जो भी आरोपी हैं उन्हें पुलिस या तो मुठभेड़ में गिरफ्तार कर रही है या फिर मुखबिरों की सूचना पर पुलिस गिरफ्तार कर रही है।

अब दो महीने देरी से पूरा होगा राम मंदिर निर्माण, ट्रस्ट ने दी नई डेट

अयोध्या, संवाददाता। राम मंदिर के निर्माण कार्य की समय सीमा दो माह बढ़ा दी गई है। राम मंदिर का निर्माण दिसंबर तक पूरा नहीं हो पाएगा। अब फरवरी के अंत तक ही तीन मंजिला 161 फीट ऊंचा राम मंदिर बनकर तैयार हो पाएगा। साथ ही राम मंदिर समेत अन्य मंदिरों की समय सीमा जून 2025 तय की गई है। मजदूरों की कमी व मौसम की प्रतिकूलता के चलते मंदिर निर्माण की गति प्रभावित हुई है। राम मंदिर निर्माण समिति के अध्यक्ष नृपेंद्र मिश्र ने मंदिर निर्माण की प्रगति की जानकारी देते हुए बताया कि राम मंदिर के शिखर का निर्माण अभी होना बाकी है। इसके निर्माण में कम से कम 120 दिन लगेंगे। इसलिए अब राममंदिर दिसंबर तक पूरा नहीं पाएगा। फरवरी के अंत तक शिखर समेत मंदिर के निर्माण का कार्य पूरा होने की संभावना है। बताया कि मंदिर व सप्त मंडपम के निर्माण के बीच पुष्करणी यानी जल निकासी के लिए एक छोटा तालाब बनाने पर भी मंथन चल रहा है। जिसमें भगवान को स्नान के बाद फर्श पर गिरने वाले पानी को इस पुष्करणी में एकत्र किया जाएगा। नृपेंद्र मिश्र ने बताया कि राममंदिर परिसर में बनने वाले ऑडिटोरियम, गेस्ट हाउस व ट्रस्ट कार्यालय के निर्माण की आधारशिला अक्तूबर के दूसरे सप्ताह में रखी जाएगी। इसके निर्माण में लगभग आठ महीने लगेंगे। सप्त मंडपम के सभी मंदिरों में अभी शिखर व फर्श का काम बाकी है। मूर्ति 15 दिसंबर तक आ जाएगी। उसके बाद उसकी स्थापना होगी। उसी समय निर्णय लिया जाएगा कि किस क्रम में मूर्तियों की स्थापना की जाएगी। संभवतरू महर्षि वाल्मीकि की मूर्ति सबसे पहले स्थापित की जाएगी। नृपेंद्र ने बताया कि मंदिर के दूसरे तल पर जो भी लाइटिंग होगी वह मंदिर के वातावरण के अनुसार होगी। जो भी लाइटिंग की जाएगी वह इस प्रकार की हो कि श्रद्धालुओं में श्रद्धा का भाव पैदा करे, ऐसा प्रयास है। लाइटिंग के ट्रायल लिए गए हैं, उसका टेंडर जारी किया जा चुका है। टेंडर में कंपनियां बताएंगी वह किस प्रकार की लाइट मंदिर पर करेंगी। कई राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय कंपनियां लाइटिंग के लिए आ रही हैं। नवंबर के अंत तक टेंडर फाइनल हो जाएगा।

गैर इरादतन हत्या में बहन और तीन भाइयों को सात वर्ष कैद

बांदा, संवाददाता। वर्ष 2018 के नवंबर माह में दुकान जा रहे युवक को रास्ते में गांव के तीन व्यक्तियों और उसकी बहन ने रोककर लाठी–डंडा से वार कर मरणासन्न कर दिया था। कानपुर लेकर जाते समय उसकी मौत हो गई थी। मामले में कोर्ट ने दोषी बहन और उसके तीन सगे भाइयों को सात–सात वर्ष के कारावास की सजा से दंडित किया। इसके साथ ही 11–11 हजार रुपये का जुर्माना लगाया है। जुर्माना अदा न करने पर तीन–तीन माह की अतिरिक्त सजा भोगनी होगी। तिंदवारी थाना क्षेत्र के पचासा डेरा जौहरपुर निवासी संतोष निषाद पुत्र रामधनी ने 18 नवंबर 2018 को प्राथमिकी दर्ज कराई कि 15 नवंबर 2018 को रात 10 बजे उसका बड़ा भाई शिवकरन निषाद अपने घर से लंबरी की दुकान समान लेने जा रहा था। तभी रास्ते में में गांव के रामसुफल, बुद्धा उर्फ बुद्धराज व मुन्नीलाल अपनी बहन सुमित्रा के साथ एकराय होकर उसके भाई को घेर लिया। विरोध करने और सुमित्रा के उकसाने पर तीनो भाइयों ने शिवकरन पर लाठी–डंडा व कुल्हाड़ी से वार कर लहूलुहान कर दिया। शिवकरन मौके पर ही अचेत हो गया। हमलावर मौके से भाग गए थे। चीख–पुकार सुनकर वादी के सगे संबंधी लाला व रामप्यारी मौके पर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। घायल भाई को जिला अस्पताल भेजा गया। 17 नवंबर 2018 को मेडिकल कालेज रेफर किया गया। वहां से उपचार के बाद कानपुर रेफर कर दिया गया। कानपुर ले जाते समय मौत हो गई। इस मामले का आरोप पत्र सभी के विरुद्ध अदालत में 11 सितंबर 2019 को पेश किया गया। मामले की सुनवाई के दौरान अभियोजन की ओर से 10 गवाह पेश किए गए। पत्रावली में उपलब्ध साक्ष्यों का अवलोकन करने व अधिवक्ताओं की दलीलें सुनने के बाद जिला एवं सत्र न्यायाधीश डा. बब्बू सारंग की अदालत ने दोषी पाते हुए रामसुफल, बुद्धा उर्फ बुद्धराज, मुन्नीलाल समेत उनकी बहन सुमित्रा सात–सात वर्ष की सजा से दंडित किया।

ट्रांसपोर्ट नगर हादसे का सबक, 15 मीटर से ऊंची इमारतों का एलडीए कराएगा सेफ्टी आडिट

लखनऊ, संवाददाता। ट्रांसपोर्ट नगर हादसे के बाद अब एलडीए शहर में पांच साल तक पुरानी 15 मीटर से ऊंची सभी बहुमंजिला इमारतों की सेफ्टी ऑडिट कराएगा। इसको लेकर प्रस्ताव भी शुक्रवार को एलडीए बोर्ड में पास कर दिया गया। बोर्ड ने वेलनेस सिटी में आ रही निजी बिल्डरों की 296 एकड़ जमीन छोड़ने का प्रस्ताव भी पास कर दिया है। इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट की संपत्तियों का की साल से बंद नामांतरण भी शुरू करने की मंजूरी बोर्ड ने दी है। मंडलायुक्त रोशन जैकब की अध्यक्षता और एलडीए वीसी प्रथमेश कुमार की मौजूदगी में हुई बैठक के बाद एलडीए सचिव विवेक श्रीवास्तव बोर्ड में लिए गए निर्णयों के बारे में जानकारी दी। बताया कि सेफ्टी ऑडिट कराए जाने का पैसा बिल्डिंग मालिक से लिया जाएगा। आवासीय बिल्डिंग में इसका पैसा स्थानीय रेजीडेंट वेलफेयर सोसाइटी देगी। यदि कोई पैसा नहीं देगा तो उसका भुगतान एलडीए खुद करेगा और उसके बाद संबंधित बिल्डर या आरडब्लयू से पैसे की वसूली आरसी जारी करके की जाएगी। कितना पास सेफ्टी ऑडिट का लिया जाएगा यह कंपनीं तय करने के बाद साफ होगा। कंपनी तय करने के लिए जल्द ही टेंडर जारी होगा। तब तक एलडीए आने स्तर पर सेफ्टी ऑडिट का पैनल बनाकर जांच कराएगा।

15 मीटर के नियम से बच जाएंगी ट्रांसपोर्ट नगर की ज्यादातर इमारतें

...सेफ्टी ऑडिट को लेकर एलडीए बोर्ड ने जो प्रस्ताव पास किया है उसके बाद ट्रांसपोर्ट नगर की ज्यादातर बहुमंजिला इमारतें सेफ्टी जांच से बच जाएंगी क्योंकि वहां पर ज्यादातर इमारतें 15 मीटर से कम ऊंचाई की हैं। जो इमारत ढही थी उसका भी मानचित्र महज सात मीटर ऊंचाई का पास था। इसके अलावा हजरतगंज , अमीनाबाद, यहियागंज, नाका, भूतनाथ, पत्रकापुरम, महानगर सहित अन्य इलाकों की करीब एक लाख इमारतें सेफ्टी ऑडिट से बच जाएंगी। ऐसे में प्रस्ताव को लेकर सवाल भी उठ रहे हैं। हालांकि एलडीए सचिव का कहना है कि 15 मीटर से कम की इमारतें ज्यादातर दो या तीन मंजिल ही होती हैं। ऊंचाई जमीन से जोड़ी जाएगी।

रिंग रोड, किसान पथ व ग्रीन कॉरिडोर किनारे बनेंगी ऊंची इमारतें

रिंग रोड, किसान पथ और ग्रीन कॉरिडोर के समांतर 500 मीटर के दायरे को एलडीए ने टीओडी जोन घोषित कर दिया है। जिससे यहां पर ऊंची इमारतें एलडीए को तय शुल्क देकर बनाई जा सकेंगी। सचिव ने बताया कि यहां का फ्लोर एरिया रेसियो ढाई से बढ़ाकर चार कर दिया गया है। जिससे करीब 2 लाख से ज्यादा छोटे–बड़े निर्माणों को फायदा मिलेगा।

सैफई विश्वविद्यालय को मिला आईएसओ प्रमाण पत्र

सैफई, संवाददाता। उत्तर प्रदेश आयुर्विज्ञान विश्वविद्यालय सैफई को गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली मानक के लिए आईएसओ प्रमाण पत्र मिला है। इस उपलब्धि पर कुलपति प्रो. डॉ. प्रभात कुमार सिंह ने डॉ. कमल पंत, डॉ. रूपक अग्रवाल, डॉ. अजय कुमार गुप्ता ,डॉ. संजय खनौजिया व वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी उमाशंकर को बधाई दी।

यूपीयूएमएस नैक क्राइटेरिया–4 हेड व ऑप्टोमेट्री विभाग एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. कमल पंत ने बताया कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बेहतर संगठित स्वास्थ्य संस्थानों को यह प्रमाणन दिया जाता है। इससे संस्थान में प्रभावी चिकित्सीय देखभाल,जैव चिकित्सा शिक्षा और अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा। जिससे चिकित्सीय क्षेत्र में नवीन नवाचारों पर काम होगा और शहरी और ग्रामीण लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय मूल्यांकन एवं प्रत्यायन परिषद (नैक) के मापदंड के लिए भी गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली मानक आईएसओ प्रमाणन आवश्यक होता है। जिसके लिए पूरी टीम पिछले तीन माह से निरंतर प्रयासरत थी जिसके परिणामस्वरूप यह सफलता मिली। कुलपति प्रो. डॉ. रमाकांत यादव,उपाध्यक्ष व फार्मेसी संकायाध्यक्ष डॉ. कमला पाठक ने भी पूरी टीम के प्रयासों की सराहना की और उन्हें बधाई दी।

जिला अस्पताल में गैरहाजिर मिले दो डाक्टर

बांदा, संवाददाता। जिला पंचायत अध्यक्ष सुनील सिंह पटेल ने बृहस्पतिवार को जिला पुरुष अस्पताल का निरीक्षण किया। दो चिकित्सक गैरहाजिर मिले। मौके पर मौजूद सीएमएस को दोनों चिकित्सकों के विरुद्ध कार्रवाई के निर्देश दिए। जिला पंचायत अध्यक्ष ने सबसे पहले ट्रॉमा सेंटर के ईएमओ डॉ. विनीत सचान से बात की। ट्रॉमा सेंटर में भर्ती मरीजों के पास जाकर उपचार और दवाएं मिलने के बारे में पूछा। फिर अस्पताल के महिला पर्चा काउंटर पर पहुंचे। एक ही काउंटर खुले होने पर कहा कि दो काउंटर खोलकर पर्चा बनवाए जाएं। इसके बाद ओपीडी गए और वहां मरीजों से बात की। मरीजों ने बताया कि एक घंटे से लाइन में खड़े हैं, अभी नंबर नहीं आया। इस पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने ओपीडी में बैठे बाल्य रोग विशेषज्ञ डॉ. आरके गुप्ता और डॉ. सोहेल अरशद से कहा कि मरीजों को ज्यादा इंतजार न करना पड़े, उनका जल्द उपचार किया जाए। निरीक्षण के दौरान डॉ. अशोक और डॉ. अंकित गैरहाजिर मिले। इस पर जिला पंचायत अध्यक्ष ने नाराजगी जाहिर की।

अस्पताल में मरीजों को बाहर से लिखी जा रहीं दवाएं

बाराबंकी, संवाददाता। जिला अस्पताल में दवाओं की उपलब्धता के बावजूद मरीजों को बाहर से दवाएं लिखी जा रही हैं। दवाई काउंटर पर पहुंच रहे मरीजों को वहां बैठे प्रशिक्षु दवा ना होने का हवाला देकर वापस कर देते हैं। जबकि अस्पताल के स्टोर में दवाओं का स्टॉक लगा है। दवा काउंटर पर तैनात फार्मासिस्ट की लापरवाही के कारण मरीजों को ओपीडी में लिखी दवाएं नहीं मिल पाने से काफी परेशानी उठाना पड़ रही है।

ओपीडी में मरीजों को देखने वाले डॉक्टर भी अस्पताल में दवा उपलब्ध न होने की बात कह कर साथ मौजूद प्रशिक्षु के माध्यम से बाहर की लिखी दवा की पर्चियां मरीजों को थमा रहे हैं। इसकी शिकायत के बाद भी रोकथाम को लेकर अस्पताल प्रशासन से जुड़े लोग उदासीन बने हैं। जिम्मेदार इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। जिला अस्पताल में रोजाना 1500 से 1800 मरीज देखे जाते हैं। औषधि भंडारण कक्ष में तमाम दवाएं होने के बावजूद मरीजों को दर्द, एंटीबायोटिक, गैस, बुखार आदि की दवाएं बाहर से डॉक्टरों द्वारा लिखी जा रही हैं।

गले में दर्द की समस्या लेकर आई सतरिख की नीलम ने बताया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।